पेज 03 में...
हवाला के हलवे का स्वाद...

साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 22 सितंबर से 28 सितंबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 12 में...
धमतरी की बिलाई माता

वर्ष : 01 अंक : 29 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 09 4 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे शाह

ईडी के बाद अब ईओडब्ल्यू, एसीबी का बिग एक्शन

रविवार को रायपुर, अकलतरा समेत 10 ठिकानों पर रेड

FIR में दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का शराब घोटाला

घोटाला कथा अनंता

कोल परिचालन, ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन से कमाई

कई तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली

कोल, लिकर, नान और डीएमएफ सहित खरीदी घोटाले की जांच

काली कमाई CBI, ED, IT और अब EOW-ACB खंगाल रही

छत्तीसगढ़ में दो हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाले और कोल स्कैम में EOW ने आज बड़ी कार्रवाई शुरू की है। छत्तीसगढ़ के 10 अलग-अलग जगहों पर ईओडब्ल्यू की टीम ने एकसाथ छापामार कार्रवाई शुरू की है। छत्तीसगढ़ कोयला घोटाले और शराब घोटाले मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) और आर्थिक अपराध शाखा (EOW) की कार्रवाई जारी है। रविवार को कोयला घोटाला मामले में जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा में अधिकारियों ने नए सिरे से दबिश दी। वहीं, शराब घोटाले मामले में EOW ने रायपुर में छापा मारा है। जानकारी के मुताबिक, EOW की टीम रायपुर के शिव विहार कॉलोनी स्थित अवधेश यादव के घर पहुंची है। अवधेश शराब कारोबार से जुड़ा हुआ है। कारोबारी के 2 ठिकानों पर टीम पहुंची है। अफसर दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा में EOW की 12 सदस्यीय टीम पड़ताल कर रही है। कोयला व्यापारी जय चंद कोसल के अंबेडकर चौक स्थित घर में रेड की कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार जय चंद कोसल के पिता खनिज विभाग में सहायक संचालक के पद पर पदस्थ हैं।

शहर सत्ता/रायपुर। 2 दिन पहले ही शराब घोटाला केस में ACB-EOW ने रिटायर्ड IAS निरंजन दास को गिरफ्तार किया था। पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास कांग्रेस सरकार के दौरान आबकारी आयुक्त थे। निरंजन पर सिंडिकेट ऑपरेट करने में अहम रोल निभाने का आरोप है। घोटाले से उन्हें हर महीने 50 लाख मिलते थे। शुक्रवार को निरंजन दास को रायपुर की ACB-EOW कोर्ट में पेश किया गया।

कोर्ट के आदेश के अनुसार निरंजन दास 25 सितंबर तक EOW की रिमांड पर रहेंगे। EOW की जांच में सामने आया है कि, रिटायर्ड IAS निरंजन दास ने पूर्व IAS अनिल टुटेजा, तत्कालीन विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी, कारोबारी अनवर ढेबर और अन्य के साथ मिलकर शराब घोटाले का सिंडिकेट खड़ा किया था। EOW के मुताबिक सिंडिकेट ने सरकारी शराब दुकानों में कमीशन तय करने, डिस्टलरियों से अतिरिक्त शराब बनवाने, विदेशी ब्रांड की अवैध सप्लाई कराने और डुप्लीकेट होलोग्राम के जरिए शराब बेचने जैसी गतिविधियों से राज्य सरकार को हजारों करोड़ का नुकसान पहुंचाया।

फरवरी 2019 में बना था शराब घोटाले का सिंडिकेट

कारोबारी अनवर ढेबर ने सिंडिकेट बनाने के लिए फरवरी 2019 में जेल रोड स्थित होटल वेनिंगटन में प्रदेश के 3 डिस्टलरी मालिकों को बुलाया। इस मीटिंग में छत्तीसगढ़ डिस्टलरी से नवीन केडिया, भाटिया वाइंस प्राइवेट लिमिटेड से भूपेंदर पाल सिंह भाटिया और प्रिंस भाटिया शामिल हुए। वेलकम डिस्टलरी से राजेंद्र जायसवाल उर्फ चुन्नू जायसवाल के साथ हीरालाल जायसवाल और नवीन केडिया के संपर्क अधिकारी संजय फतेहपुरिया पहुंचे। मीटिंग में इनके अलावा एपी त्रिपाठी और अरविंद सिंह भी मौजूद थे। मीटिंग में अनवर ढेबर ने तय किया कि डिस्टलरी से जो शराब सप्लाई की जाती है, उसमें प्रति पेटी कमीशन देना होगा। कमीशन के बदले रेट बढ़ाने का आश्वासन डिस्टलरी संचालकों को दिया गया। पैसे का हिसाब-किताब करने के लिए आरोपियों ने पूरे कारोबार को ए, बी और सी पार्ट में बांटा। शराब की दुकान संचालकों को सरकारी कागजों पर शराब की खपत दर्ज न करने की सलाह दी गई थी। बिना शुल्क चुकाए दुकानों तक डुप्लीकेट होलोग्राम वाली शराब पहुंचाई गई।

ऐसे किया गया छत्तीसगढ़ का कोल स्कैम

ED का दावा है कि छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाला किया गया है। सिंडिकेट बनाकर 570 करोड़ की वसूली हुई है। इस मामले में 36 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ED का आरोप है कि कोयले के परिचालन, ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन करने समेत कई तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध वसूली की गई है। छत्तीसगढ़ में अवैध कोल लेवी वसूली का मामला ईडी की रेड में सामने आया था। कोल परिवहन में कोल व्यापारियों से वसूली करने के लिए ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफलाइन कर दिया गया था। खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक आईएएस समीर विश्नोई ने 15 जुलाई 2020 को इसके लिए आदेश जारी किया था। यह परमिट कोल परिवहन में कोल व्यापारियों से लिया जाता है। पूरे मामले का मास्टरमाइंड किंगपिन कोल व्यापारी सूर्यकांत तिवारी को माना गया। जो व्यापारी पैसे देता उसे ही खनिज विभाग से पीट और परिवहन पास जारी होता था। यह रकम 25 रुपए प्रति टन के हिसाब से सूर्यकांत के कर्मचारियों के पास जमा होती थी। कोल स्कैम से स्कैम कर कुल 570 करोड़ रुपए की वसूली की गई।

अवैध शराब बेचने ऐसे हुई शुरुआत

शुरुआत में डिस्टलरी से हर महीने 800 पेटी शराब से भरे 200 ट्रक निकलते थे। एक पेटी 2840 रुपए में बिकती थी। उसके बाद, हर महीने 400 ट्रक शराब की आपूर्ति होने लगी। शराब 3,880 रुपए प्रति पेटी बेची गई। EOW की शुरुआती जांच में पता चला है कि 3 साल में 60 लाख से।शराब 3,880 रुपए प्रति पेटी बेची गई। EOW की शुरुआती जांच में पता चला है कि 3 साल में 60 लाख से ज़्यादा पेटी शराब अवैध रूप से बेची गई।

छत्तीसगढ़ के इन जिलों में नकली होलोग्राम शराब की होती थी खपत

रायपुर	बलौदाबाजार
दुर्ग	गरियाबंद
बिलासपुर	मुंगेली
राजनांदगांव	जांजगीर-चांपा
कबीरधाम	कोरबा
बालोद	बेमेतरा
महासमुंद	रायगढ़
धमतरी	

2 हजार 174 करोड़ में किसे कितना मिला?

नेता-मंत्रियों को	1,392 करोड़ 45 लाख 39 हजार
3 शराब डिस्टलर्स	358 करोड़ 65 लाख 32 हजार
अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा	181 करोड़ 52 लाख 85 हजार
आबकारी विभाग	90 करोड़ 76 लाख 42 हजार 500
जिला आबकारी अधिकारी शराब दुकान के कर्मचारियों को	90 करोड़ 76 लाख 42 हजार 500
विकास अग्रवाल और अरविंद सिंह को	60 करोड़ 50 लाख 95 हजार

इन अफसरों को मिला इतना पैसा

अधिकारी, पद	शराब पेटी	रुपए
सौनल नेताम, सहायक आयुक्त आबकारी	38 हजार 404	53 लाख 76 हजार
प्रकाश पाल, सहायक आयुक्त आबकारी	1 लाख 44 हजार 69	2 करोड़ 1 लाख
वेदराम लहरे, जिला आबकारी अधिकारी	1 लाख 11 हजार 288	1 करोड़ 55 लाख
आलेख राम सिदार, जिला आबकारी अधिकारी	35 हजार 409	49 लाख 57 हजार
एके अनंत, जिला आबकारी अधिकारी	1 लाख 5 हजार 845	1 करोड़ 48 लाख
आशीष कोसाम, सहायक आयुक्त आबकारी	1 लाख 81 हजार 325	2 करोड़ 53 लाख
एके सिंग, जिला आबकारी अधिकारी	1 लाख 58 हजार 912	2 करोड़ 22 लाख
एलएल ध्रुव, उपायुक्त आबकारी	1 लाख 3 हजार 755	1 करोड़ 45 लाख
राजेश जायसवाल, जिला आबकारी अधिकारी	4 लाख 13 हजार 462	5 करोड़ 78 लाख
जेआर मंडावी, जिला आबकारी अधिकारी	1 लाख 29 हजार 945	1 करोड़ 81 लाख
जीआर पैकरा, सहायक आयुक्त आबकारी	60 हजार 300	84 लाख 41 हजार
जी आर नुरूटी, सहायक आयुक्त आबकारी	1 लाख 66 हजार 216	2 करोड़ 32 लाख
देवलाल वैध, जिला आबकारी अदिका	1 लाख 7 हजार 498	1 करोड़ 50 लाख
अशोक कुमार सिंह	2 लाख 36 हजार 980	3 करोड़ 33 लाख
अनिमेष नेताम, उपायुक्त आबकारी	3 लाख 17 हजार 610	4 करोड़ 44 लाख
विजय सेन शर्मा, उपायुक्त आबकारी	53 हजार 585	75 लाख 1 हजार
अरविंद कुमार पटले, सहायक आयुक्त आबकारी	5 लाख 32 हजार 43	7 करोड़ 44 लाख
प्रमोद कुमार नेताम, सहायक आयुक्त आबकारी	51 हजार 12	71 लाख 41 हजार
जनार्दन सिंह कौरव, सहायक आबकारी अधिकारी	6 लाख	1 करोड़ 92 लाख
इकबाल खान, सहायक जिला आबकारी अधिकारी	8 लाख 58 हजार 479	4 करोड़ 62 लाख
रामकृष्ण मिश्रा, सहायक आयुक्त	1 लाख 20 हजार 924	1 करोड़ 69 लाख
विकास गोस्वामी, सहायक आयुक्त आबकारी	2 लाख 23 हजार 279	3 करोड़ 12 लाख
नितिन खंडुजा, सहायक जिला अधिकारी	71 हजार 894	1 करोड़ 65 हजार
नवीन प्रताप सिंह तोमर, सहायक आयुक्त आबकारी	4 लाख 79 हजार 176	6 करोड़ 70 लाख
मंजुश्री कसेर, जिला आबकारी अधिकारी	1 लाख 17 हजार 37	1 करोड़ 63 लाख
सौरभ बख्शी, सहायक आयुक्त आबकारी	1 लाख 68 हजार 647	2 करोड़ 36 लाख
दिनकर वासनिक, सहायक आयुक्त आबकारी	2 लाख 8 हजार 519	2 करोड़ 91 लाख
मोहित कुमार जायसवाल, आबकारी अधिकारी	1 लाख 94 हजार 393	2 करोड़ 72 लाख
नीतू नोतानी, उपायुक्त आबकारी अधिकारी	5 लाख 55 हजार 849	7 करोड़ 78 लाख
गरीबपाल सिंह दर्दी, सहायक जिला आबकारी अधिकारी	1 लाख 66 हजार 123	2 करोड़ 32 लाख
नोहर सिंह ठाकुर, सहायक आयुक्त आबकारी	7 लाख 90 हजार 37	11 करोड़ 6 लाख

सिंडिकेट के कोर ग्रुप में आरोपियों की भूमिका

अनिल टुटेजा

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव थे। सिंडिकेट के संरक्षक की भूमिका में थे।

अनवर ढेबर

होटल संचालक है। सिंडिकेट का गठन किया। पैसा किस तरह से कहां पहुंचेगा इसकी प्लानिंग की गई और सबका शेयर तय किया।

एपी त्रिपाठी

कांग्रेस सरकार में CSMCL में एमडी थे। CSMCL में मैनपावर सप्लाई, कैश कलेक्शन, होलोग्राम सप्लाई और शराब परिवहन का काम अपने लोगों को दिलाया।

विकास अग्रवाल

नकली होलोग्राम वाली शराब सप्लाई होने के बाद पैसा वसूलता था। ढेबर के बताए स्थानों में अपने कर्मचारियों से पैसा पहुंचाता था।

अरविंद सिंह

पत्नी के नाम से खाली बोतल बनाने का प्लांट डाला। खाली बोतल, नकली होलोग्राम उपलब्ध कराया। पैसा कलेक्ट करने और शराब परिवहन की जिम्मेदारी थी।

त्रिलोक सिंह ढिल्लन

पुराना शराब ठेकेदार है। होटल कारोबारी है। अपनी कंपनियों के माध्यम से पैसा इकट्ठा करवाया। अचल संपति करके पैसों की खपत करवाई।

कोयला घोटाला

इनकी संपत्ति कुर्क की गई

प्रेस नोट जारी कर ED ने बताया कि ये संपत्ति निलंबित IAS रानू साहू, निलंबित आईएएस समीर बिश्नोई राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी सौम्या चौरसिया, तत्कालीन मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के ओएसडी, जय प्रकाश मौर्य, कांग्रेस नेता राम गोपाल अग्रवाल, राम प्रताप सिंह, विनोद तिवारी, पूर्व विधायक चंद्र देव प्रसाद राय और भिलाई विधायक देवेंद्र सिंह यादव की है। ED ने घोटाले से जुड़े लोगों की संपति कुर्क की है। इनमें बैंक बैलेंस, वाहन, नगदी, जेवरात और जमीन सहित 100 से अधिक चल और अचल संपत्तियां हैं। इसकी कुल कीमत 49.73 करोड़ रुपए है। ये संपत्तियां कोयला घोटाले के कथित मास्टरमाइंड सूर्यकांत तिवारी के साथ बाकी आरोपियों की भी है। ईडी की जांच में पता चला है कि कुछ लोगों ने पिछली सरकार में रहे नेताओं और वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से मिलीभगत कर कोयला ट्रांसपोर्टर्स से जबरन वसूली की।

निलंबित IAS रानू साहू की 24 प्रापर्टी

FIR के मुताबिक, 2015 से 2022 तक करीब 4 करोड़ की अचल संपति खुद और परिवार के सदस्यों के नाम।

2022 में आयकर विभाग ने रानू साहू के सरकारी निवास और दफ्तर में छापा मारा।

इसके बाद ED ने भी भी रानू साहू के घर छापा मारा था।

कोरबा कलेक्टर रहते कोल लेवी में घोटाले और आय से ज्यादा संपत्ति का आरोप।

ED ने 22 जुलाई 2023 को गिरफ्तार किया।

सौम्या चौरसिया की 29 अचल संपत्ति

सौम्या चौरसिया और परिवार के नाम 9.20 करोड़ की संपत्ति की पुष्टि EOW ने की।

पूर्व CM की उप सचिव रही सौम्या चौरसिया 2008 बैच की राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं।

सौम्या नगर निगम बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन और कई शासकीय पदों पर रहीं हैं।

दिसम्बर 2019 से नवम्बर 2022 तक मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव के पद पर थीं।

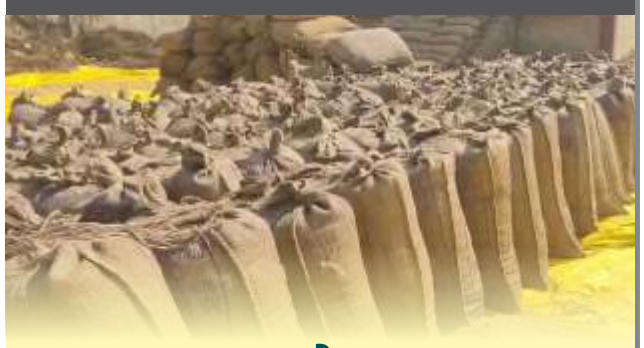

219 करोड़ रुपए से ज्यादा के चावल घोटाले की जांच धीमी

प्रदेश में 219 करोड़ रुपए से ज्यादा के चावल घोटाले की जांच धीमी पड़ गई है। प्रदेश में हुए चावल घोटाले की जांच के लिए विधानसभा की समिति बनी है। पूर्व खाद्य मंत्री पुन्नूलाल मोहले, दो पूर्व मंत्री मूणत और उसेंडी सदस्य हैं। खाद्य अधिकारी, निरीक्षकों सहित राशन दुकानदारों को तलब किया जाना था। घोटाले में संचालनालय के अधिकारियों की संदिग्ध भूमिका भी मणि जा रही है। पिछले बजट सत्र के दौरान चावल घोटाले के लिए गठित विधानसभा जांच समिति की बैठक 18 मार्च को हुई थी। जांच के लिए गठित समिति की ये सातवीं बैठक थी। समिति की पहली बैठक 12 अगस्त 2024 को हुई थी। दोषी, घोटालेबाजों की गिरफ़्तारी तो दूर नाम तक सार्वजनिक नहीं हुआ है।

हवाला के हलवे का स्वाद...

काली कमाई को ठिकाने लगा रहे हवाला कारोबारी

आला अफसर, राजनेताओं और इनके दलाल भेज रहे रकम

छत्तीसगढ़ से गुजरात के रास्ते विदेश में हवाला

गोल्ड, सिल्वर, कैश और हवाला के ये चार रास्ते बदनाम

पुलिस-आयकर विभाग अलर्ट इसलिए पकड़ी जा रही नकदी

रायपुर एक्सप्रेस वे पर कटे मिले 30 से ज्यादा नए ट्रॉली बैग

छत्तीसगढ़ में सोना और चांदी तस्करी के लिए हावड़ा-मुंबई रेल मार्ग और ओडिशा से महासमुंद का रास्ता सबसे महफूज है। इसी तरह कारोबारियों, राजनेताओं और आला अफसरों की काली कमाई का सबसे कुख्यात रास्ता कवर्धा, बेमेतरा, भिलाई, राजनांदगांव और झारखंड से अंबिकापुर हवाला कारोबारियों का पसंदीदा है। छत्तीसगढ़ में इन दिनों हवाला कारोबार के सबसे भरोसेमंद बाशिंदों में रायपुर के राव, जैन, बुखारी और राजनांदगांव के कोठारी का नाम सब की जुबान में है। रायपुर के एक सबसे ताकतवर सराफा कारोबारी के सदर बाजार स्थित तहखाने में तो 5 लाख से लेकर 50 करोड़ तक की पोटली जरूरतमंद कारोबारी के लिए बतौर ब्याज तैयार रहती है। जानकारी सभी को है और यह भी पता है कि उक्त राशि स्थानीय नेताओं की है। हवाला के हलवे का स्वाद तो पहले राजधानी रायपुर और राजनांदगांव ही चखता था। राव निपट गया, आहूजा का धंधा भांजे की मौत के बाद ख़त्म हो गया लेकिन अब बाजार में जैन, बुखारी, कोठारी की तूती बोल रही है। एक हवाला कारोबारी तो मीडिया हॉउस की आड़ में टॉप फ्लोर में बेख़ौफ़ धंधा चला रहा है।

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर में रविवार सुबह सनसनीखेज मामला सामने आया है। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट जाने वाले एक्सप्रेस-वे पर लावारिस हालत में कई ट्रॉली बैग मिले हैं। बताया जा रहा है कि सभी बैग बिल्कुल नए हैं, लेकिन उन्हें ब्लेड से काटा गया है। इस वजह से इन बैगों को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। मामला माना थाना क्षेत्र का है। शुरुआती आशंका जताई जा रही है कि इन बैगों का इस्तेमाल गांजा या अन्य नशे की तस्करी में किया गया हो सकता है, वहीं कैश की सप्लाई से भी इनका कनेक्शन होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं बैगों को किसी वारदात के बाद सबूत मिटाने के उद्देश्य से तो नहीं फेंका गया।

खास बात यह है कि जिस जगह बैग फेंके गए हैं, वहां आसपास कोई सीसीटीवी कैमरा मौजूद नहीं है। ऐसे में पुलिस को आरोपियों की पहचान करने में मुश्किलें आ रही हैं। हालांकि, पुलिस एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले वाहनों के फुटेज खंगालने की कोशिश कर रही है। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही दुर्ग में 6 करोड़ रुपए नकदी बरामद हुई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं से पुलिस की सतर्कता और बढ़ गई है। पिछले दिनों रायपुर में पुलिस ने ड्रग्स तस्कर गिरोह का भी पर्दाफाश किया है। ऐसे में इस तरह सदिग्ध हालत में ट्रॉली बैग्स के मिलने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इस तरह की घटना से किसी बड़ी साजिश की बू आ रही है।

छोटे नोटों से चल रहा करोड़ों के लेनदेन का खेल

हवाला कारोबार करने वाले 1 रुपए, 10 रुपए, 20 रुपए, 50 रुपए और 100 रुपए के नोट से पूरा खेल करते हैं। नोट के नंबर के आधार पर ही पूरी डील होती है। दूसरे शहर के व्यापारी, जिस व्यापारी तक राशि पहुंचाना चाहते हैं, उसे नोट का नंबर बता देते हैं। इसके बाद जहां रकम पहुंचानी होती है, वहां इस नंबर को बताने वाले को पैसा दिया जाता है। इसका खुलासा जून 2024 में छत्तीसगढ़ की दुर्ग पुलिस कर चुकी है। आरोपी अपने मोबाइल से नोट की फोटो खींचकर ग्राहकों को भेजते थे, फिर उनके दफ्तर में नोट की फोटो दिखाने पर रकम थमा दिया जाता था।

ऐसे चलता है हवाला का नेटवर्क

हवाला कारोबार से जुड़े कर्मियों के अनुसार छोटे अमाउंट के लिए पैसा दूसरे राज्य भिजवाने वाले व्यक्ति को हवाला कारोबारी के बताए ठिकाने पर आना होता है। कई बार हवाला कारोबारी अपने कर्मचारी भेजकर पैसा रिसीव करवा लेते है। अमाउंट जब बड़ा होता है और उसे भेजने में पकड़े जाने का डर रहता है। ऐसे में उसकी मीटिंग नया रायपुर, VIP रोड के हाईप्रोफाइल होटल और फॉर्म हाउस में होती है। इसमें सब कुछ तय होता है। इसके बाद हवाला कारोबारी अपने नेटवर्क की मदद से पार्टी का पैसा उसके बताए लोकेशन में कमीशन लेकर भिजवा देता है।

मामूली कमीशन में करोड़ों का वारा-न्यारा

- रायपुर से सबसे ज्यादा हवाला मुंबई, दिल्ली और झारखंड में किया जा रहा है। झारखंड में हवाला करने पर लाख रुपए में 300 से 700 रुपए का खर्च आता है। वहीं मुंबई और दिल्ली में हवाला करने पर 1500-2000 रुपए खर्च हवाला कारोबारी ले रहे हैं।
- रायपुर में अधिकांश कारोबारी अपना कच्चे का पैसा लेन-देन करने के लिए सिंडिकेट बनाकर काम कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, सबसे ज्यादा हवाला एमजी रोड इलाके के कुछ बड़े कारोबारी कर रहे हैं।

रायपुर से हर दिन 30 करोड़ से ज्यादा हवाला

- हवाला कारोबार से जुड़े कुछ कर्मियों ने नाम ना छापने की शर्त पर हवाला कारोबारियों के ठिकाने और उनके काम की जानकारी साझा की है। रायपुर के बड़े और रसूखदार कारोबारी सिंडिकेट बनाकर इस कारोबार को कमीशन पर चला रहे हैं।
- रायपुर शहर से हर दिन 30 करोड़ से ज्यादा का हवाला किया जा रहा है। पैसे भेजने के लिए फोर व्हीलर और बाइक के अलावा ट्रेन का इस्तेमाल भी किया जा रहा है। बड़े अमाउंट को नोट के नंबर दिखाकर किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में करोड़ों की अवैध नकदी लगातार पकड़ी जा रही,

दुर्ग में 6.60 करोड़ और खैरागढ़ में 4.04 करोड़ जब्त, संदिग्धों से पूछताछ जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीते दिनों पुलिस और आयकर विभाग की संयुक्त कार्रवाई में करोड़ों की अवैध नकदी पकड़ी गई है। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र से जहां पुलिस ने दो स्कॉर्पियो वाहनों से 6 करोड़ 60 लाख रुपये नकद बरामद किए, वहीं राजनांदगांव जिले के खैरागढ़ में पुलिस ने एक कार से 4 करोड़ 4 लाख 50 हजार रुपये कैश जब्त किया। दोनों मामलों में आरोपी संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और बरामद रकम आयकर विभाग को आगे की जांच के लिए सौंप दी गई है।

कुम्हारी में 6.60 करोड़ की बरामदगी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देश पर कुम्हारी पुलिस ने शनिवार सुबह मुखबिर की सूचना पर दो स्कॉर्पियो वाहनों को टोल प्लाजा के पास रोका। तलाशी के दौरान वाहनों में रखे बैग और डिब्बों से 6.60 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए। वाहनों पर महाराष्ट्र नंबर थे। मौके से चार व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई, लेकिन वे रकम के स्रोत और उद्देश्य के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। पुलिस और आयकर विभाग अब रकम की वैधता और नेटवर्क की गहराई से जांच कर रहे हैं।

खैरागढ़ में 4.04 करोड़ की बरामदगी

खैरागढ़ पुलिस ने इतवारी बाजार चेकिंग प्वाइंट पर गुरुवार को एक एसयूवी को रोका। जांच के दौरान कार में बने गुप्त चैंबर से 4 करोड़ 4 लाख 50 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। वाहन मालिक रकम के दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। पुलिस ने इस मामले में पारस पटेल और अक्षय पटेल नामक व्यक्तियों को आरोपी बनाते हुए बीएनएस की धारा 106 के तहत केस दर्ज किया। बरामद रकम को आयकर विभाग को जांच के लिए सौंप दिया गया है।

लगातार क्यों हो रही ऐसी बरामदगी?

पुलिस और आयकर विभाग का मानना है कि बड़े कारोबारी लेन-देन और हवाला कारोबार से जुड़ी अवैध नकदी की आवाजाही बढ़ गई है। यही वजह है कि राज्यभर में वाहनों की चेकिंग और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी तेज कर दी गई है।

एजेंसियाँ अलर्ट

वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इतनी बड़ी रकम की लगातार बरामदगी इस बात का संकेत है कि प्रदेश में अवैध नकदी का बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो सकता है। सुरक्षा एजेंसियाँ अब हाई अलर्ट पर हैं और प्रत्येक जिले में चेकिंग अभियान को और सख्त कर दिया गया है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

आत्मनिर्भरता और विकास की नई उड़ान

25 साल का छत्तीसगढ़

नसीम अहमद खान, उप संचालक जनसंपर्क

छत्तीसगढ़ ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह केवल समय का अंतराल नहीं, बल्कि एक ऐसा सफर है जिसने प्रदेश को नई पहचान, नई दिशा और नई ऊर्जा दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है। आने वाले पाँच वर्षों में प्रदेश की जीडीपी को दोगुना कर 75 लाख करोड़ तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे प्रत्येक नागरिक की आय में दस गुना वृद्धि करने की परिकल्पना की गई है।

निवेश और औद्योगिक प्रगति

नई उद्योग नीति ने छत्तीसगढ़ को निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बना दिया है। अब तक लगभग 6.65 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है। "Ease of Doing Business" के साथ-साथ "Speed of Doing Business" पर भी बल दिया जा रहा है। एमएसएमई, स्टार्टअप और नई टेक्नॉलॉजी आधारित उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कोरबा जिले में पावर और मेटल सेक्टर तथा दुर्ग-राजनांदगांव में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर जैसे नए औद्योगिक केंद्र राज्य की औद्योगिक ताकत को नई दिशा दे रहे हैं।

ऊर्जा उत्पादन और सौर क्रांति

छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहाँ लिथियम ब्लॉक की सफल नीलामी की गई है। राज्य ऊर्जा उत्पादन में तेजी से प्रगति कर रहा है और फिलहाल विद्युत उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 30 हजार मेगावॉट है और वर्ष 2030 तक यह क्षमता देश में प्रथम स्थान पर पहुँचने का अनुमान है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ सौर ऊर्जा क्रांति की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सबसे लोकप्रिय योजनाओं में से एक बन चुकी है। बड़ी संख्या में लोग अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर इसका लाभ उठा रहे हैं। वर्ष 2027 तक 5 लाख घरों को सोलर पैनलों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

आधारभूत ढांचे का विकास

रेलवे नेटवर्क, राष्ट्रीय राजमार्ग, एयरपोर्ट और इंटीरियर कनेक्टिविटी पर तेजी से काम किया जा रहा है। रायपुर, नया रायपुर और भिलाई को मिलाकर स्टेट कैपिटल रीजन विकसित किया जा रहा है। यह क्षेत्र भविष्य में 50 लाख से अधिक आबादी की जरूरतें पूरी करेगा।

सुशासन और पारदर्शिता

राज्य सरकार ने सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार से नागरिक घर बैठे राजस्व, पेंशन और प्रमाणपत्र जैसी सुविधाएं प्राप्त कर रहे हैं। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अनेक सुधार लागू किए गए हैं।

संस्कृति और खेल का विस्तार

छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए विशेष योजनाएँ चलाई जा रही हैं। कल्चर पार्क और फिल्म सिटी की स्थापना की पहल की गई है। स्थानीय कलाकारों को आर्थिक सहायता और मंच प्रदान किया जा रहा है। खेल के क्षेत्र में नए स्टेडियम और प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके।

आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की ओर

छत्तीसगढ़ आज आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में बढ़ रहा है। सड़क, रेल, उद्योग, ऊर्जा, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुशासन और संस्कृति – हर क्षेत्र में संतुलित और समग्र विकास हो रहा है। यह यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ही संभव हुई है। राज्य सरकार का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी और आत्मनिर्भर राज्यों की श्रेणी में शामिल किया जाए।

39 साल पुराने रिश्वत मामले में 83 वर्षीय पूर्व कर्मचारी बरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने मध्य प्रदेश स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (MPSRTC) के 83 वर्षीय पूर्व बिल असिस्टेंट जागेश्वर प्रसाद अवधिया को 39 साल पुराने रिश्वत मामले में दोषमुक्त कर दिया है। उन पर वर्ष 1985-86 में 100 रुपये रिश्वत लेने का आरोप था। 24 अक्टूबर 1986 को अशोक कुमार वर्मा ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि अवधिया ने उनकी सेवा अवधि से जुड़े बकाया बिल पास करने के लिए 100 रुपये की रिश्वत मांगी। इसके बाद लोकायुक्त की ट्रैप टीम ने रायपुर में उन्हें कथित तौर पर रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। निचली अदालत ने लंबी सुनवाई के बाद 9 दिसंबर 2004 को अवधिया को दोषी करार दिया था और उन्हें एक साल कैद व 1,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। अवधिया ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए अपील दायर की थी। जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की एकल पीठ ने सुनवाई पूरी कर कहा कि अभियोजन पक्ष अवैध रिश्वत की मांग और स्वीकार करने का आरोप प्रमाणित नहीं कर पाया। साक्ष्यों की कमी के कारण कार्यवाही अस्थिर मानी गई। इसी आधार पर निचली अदालत का फैसला रद्द करते हुए अवधिया को बरी कर दिया गया। निर्णय के बाद अवधिया ने कहा कि "न्याय में देरी, न्याय से वंचित होने के समान है।" उन्होंने राज्य सरकार से पेंशन सुविधा बहाल करने की मांग की।

हाई कोर्ट की कड़ी फटकार, सड़क पर स्टंट करने वालों पर केवल औपचारिक कार्रवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने बिलासपुर-मस्तूरी रोड पर खतरनाक स्टंट करते हुए जब्त की गई 18 कारों के मामले में पुलिस की कार्रवाई को "सिर्फ दिखावा" करार दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गरीब और सामान्य लोगों पर पुलिस सख्त रहती है, लेकिन अमीर और रसूखदारों के मामलों में अधिकारी "बिना दांत के बाघ" साबित होते हैं।

मामला क्या है

10 सितंबर को कुछ युवक लावर गांव स्थित फार्म हाउस में जन्मदिन पार्टी के लिए जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने नेशनल हाईवे-49 पर गाड़ियों की खिड़की और सनरूफ से बाहर लटककर स्टंट किए। तेज रफ्तार से की गई इस हरकत से ट्रैफिक जाम हुआ और राहगीरों की जान खतरे में पड़ी। 17 सितंबर को इसका वीडियो पुलिस को मिला, जिसके बाद कार्रवाई शुरू हुई।

पुलिस की कार्रवाई पर सवाल

पुलिस ने 18 गाड़ियां जब्त कर मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं में अपराध दर्ज किया और चालकों के लाइसेंस निरस्तीकरण की अनुशंसा की। लेकिन एफआईआर में केवल 17 वाहनों के नंबर दर्ज किए गए। कोर्ट ने इसे अधूरी कार्रवाई बताया और कहा कि जब तक आदेश नहीं दिया जाता, जब्त वाहन छोड़े नहीं जाएंगे।

कोर्ट की टिप्पणियाँ

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की डिवीजन बेंच ने सुनवाई में कहा – केवल मोटर व्हीकल एक्ट काफी नहीं, बल्कि भारतीय न्याय संहिता 2023 और अन्य कड़े प्रावधानों में अपराध दर्ज होना चाहिए। कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जो आरोपियों के लिए जीवनभर सबक जुर्माना भरवाकर गाड़ियां छोड़ना गलत संदेश देता है और दोबारा अपराध के लिए उकसाता है।

अगली सुनवाई

कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 23 सितंबर तय की है और आदेश की प्रति मुख्य सचिव को भेजने को कहा है। साथ ही निर्देश दिया कि राज्य सरकार और पुलिस विभाग सड़क पर स्टंट करने वालों के खिलाफ उदाहरणात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

नजराना, शुकराना हकराना, जबराना

अशोक चक्रधर की कविता में चार प्रकार के भ्रष्टाचार बताये गए हैं, ये सब पूर्व में बदनाम सूबों से छत्तीसगढ़ में हैं...मूर्धन्य लेकिन भुगतभोगी कवि के मुताबिक नजराना, शुकराना, हकराना और जबराना सरकारी रस्म बन गई है। नजराना- काम कराने के पहले, सुकराना- काम होने के बाद, हकराना- फाइल भी आगे नहीं बढ़ेगी, जबराना- काम भी नहीं, करना भी नहीं। जबराना आमतौर पर राजनेताओं के पास गई राशि हैसे तुलना की जा सकती है। छत्तीसगढ़ के ऐसे दो बड़े खरीदी घोटाले में ऐसा ही जबरन वसूला गया पर देने वाला अब भी अंदर ही है।

लेकिन जल्द ही सरकारी तंत्र ने अपने हर काम की कीमत तय कर दी और उसे हासिल करना सरकारी कर्मी का हक बन गया और उसे जबरन वसूला जा सकता है, इसलिए भाषा को एक नया शब्द मिला- जबराना। वर्ण-व्यवस्था में विश्वास रखने वाले भारतीय साहबों ने अधिकार के साथ भेंट वसूल करना शुरू किया। उसे लगता था कि उसने देने वाले की भेंट स्वीकार कर उस पर एहसान किया है और इसके लिए देने वाले को ही शुक्रिया अदा करना चाहिए। किसी एहसान के एवज में भेंट दी गई है, इसलिए शब्द बना शुकराना!

हकराना से ऐसे ही एक वाक्या याद आ गया जब हरियाणा के एक जमीनी यथार्थ से जुड़े मुख्यमंत्री से जब उनके चुनाव क्षेत्र के किसी कार्यकर्ता ने शिकायत की कि उसके ट्यूबवेल को बिजली का कनेक्शन देने के लिए रिश्वत मांगी जा रही है, तो उन्होंने मांगी गई रकम शिकायतकर्ता को देते हुए कहा कि जाओ, अपना काम करा लो। जाहिर था, वह किसी का हक नहीं मारना चाहते थे। आखिर उस इंजीनियर की तैनाती भी तो उन्होंने जबराना वसूलने के बाद ही किया था। सरकारें अपनी भद्द पिटवाने से अगर बचना चाहे तो इन चरों परंपरा को बंद कराने की स्वदेशी जुगत लगा कर तो देखे...फिर ज्ञात होगा कि स्वदेशी तकनीक कितनी कारगार है।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-तुँहर फैक्ट्री म काली विश्वकर्मा जयंती बड़ा जोर-सोर ले मनाइन हें कहिथें जी भैरा.

-हव जी कोंदा.. हर बछर सृजन के देवता विश्वकर्मा जी के पूजा ल जोरदार मनाए जाथे.. छत्तीसगढ़ी के रंगझाझर कार्यक्रम घलो राखे रेहेन.. फेर तैं जानथस संगी.. काली जेन परब रिहिसे वो ह विश्वकर्मा जी के जयंती के परब नोहय.. सिरिफ पूजा के तिथि आय जेमा कल-कारखाना अउ आने श्रम साधक मन अपन-अपन कार्यस्थल म उँकर पूजा कर सकँय.

-अच्छा.. अइसे.. फेर कतकों लोगन तो जयंती काहत रिहिन हें!

-विश्वकर्मा जी के जयंती माघ महीना के अँजोरी पाख म तेरस के होथे.. कहूँ उँकर जयंती मनातीन त भारतीय पद्धति के मुताबिक माघ महीना म अँजोरी तेरस के मनातीन.. असल म कामगार मनला विश्वकर्मा पूजा खातिर एक अलग से तिथि जोंगे गे रिहिसे, जे हा अँगरेजी तारीख के अनुसार हर बछर 17 सितंबर के आथे.

-वाह भई..!

-हव.. हमर भारतीय परंपरा म सावन, भादो, कुँवार, कातिक के मुताबिक देवता धामी मन के परब तिहार या जयंती आथे न.. ठउका अइसने इहू ह आतीस कहूँ जयंती परब होतीस त.

पीएम मोदी ने वादों के बजाय काम करने वाला तंत्र बनाया

मनसुख एल. मांडविया

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

लंबे समय तक प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने वाले बहुत ही कम नेताओं ने किसी राज्य में मुख्यमंत्री का दायित्व भी संभाला है। देश के ज्यादातर प्रधानमंत्री 'राष्ट्रीय' स्तर के नेता रहे हैं और उनके पास संघीय स्तर पर काम करने का अनुभव कम रहा है। लेकिन नरेंद्र मोदी इसके चंद अपवादों में से एक हैं।

नीतिगत केंद्रबिंदु के रूप में क्रियान्वयन में मोदी के दृढ़ विश्वास को बिजली क्षेत्र से संबंधित उनके दृष्टिकोण में देखा जा सकता है। गुजरात में उन्होंने देखा कि गांवों में खंभे और लाइनें तो हैं, लेकिन बिजली नदारद है। इसका समाधान उन्होंने ज्योतिग्राम योजना के रूप में निकाला, जिसके तहत फीडरों को अलग किया गया ताकि घरों को 24 घंटे बिजली मिल सके और खेतों को बिजली का एक निश्चित हिस्सा मिल सके। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के जरिए इस सिद्धांत को आगे बढ़ाया। 18,374 गांवों को बिजली मिली।

बैंकिंग क्षेत्र में भी इसी सिद्धांत को फिर से दोहराया गया। कागजों में तो ग्रामीण परिवारों के बैंक में खाते थे, लेकिन व्यवहार में वे निष्क्रिय थे। जन-धन ने इस स्थिति को बदल दिया। आधार और मोबाइल फोन को व्यक्तिगत बैंक खातों से जोड़कर एक कमजोर पड़ी व्यवस्था को सीधे धन हस्तांतरण की बुनियाद बना दिया गया। इससे धन बिना किसी बिचौलिए के नागरिकों के हाथों में पहुंचा, बर्बादी पर लगाम लगी और सरकारी खजाने को भारी रकम की बचत हुई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने भुगतान को निर्माण कार्यों से जोड़ा, निगरानी के लिए जियो-टैगिंग का इस्तेमाल किया और बेहतर डिजाइन पर जोर दिया। पिछली सरकारों के अधूरे घरों के उद्घाटन के चलन को पलटते हुए लाभार्थियों को पूरी तरह निर्मित घर मिले।

गुजरात ने मोदी को यह भी दिखाया कि प्रगति किस प्रकार केंद्र और राज्य के बीच समन्वय पर निर्भर करती है। दशकों से अटके पड़े जीएसटी को राज्यों से आम सहमति बनाकर पारित किया गया। जीएसटी परिषद ने राजकोषीय संवाद को संस्थागत रूप दिया और एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार का निर्माण किया। व्यापार में सुगमता के आधार पर राज्यों की रैंकिंग करके और सुधारों को पुरस्कृत करके प्रतिस्पर्धी संघवाद को भी बढ़ावा दिया। मोदी के लिए कल्याणकारी योजनाएं उत्पादकता से जुड़ा निवेश रही हैं, जिनका उद्देश्य लाभार्थियों को सशक्त बनाना है।

गुजरात के कन्या केलवणी नामांकन अभियान ने महिला साक्षरता को 2001 के 57.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 2011 तक 70.7 प्रतिशत कर दिया था। राष्ट्रीय स्तर पर इसे ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम में परिवर्तित किया गया। इसी प्रकार मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में गुजरात में चिरंजीवी योजना थी तो केंद्र में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना।

बुनियादी ढांचे के मामले में, गुजरात के बीआईएसएजी मानचित्रण से संबंधित प्रयोगों को पीएम गति शक्ति के रूप में विस्तारित किया गया, जहां 16 मंत्रालय और सभी राज्य अब एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 1,400 परियोजनाओं की योजना बना रहे हैं। वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलनों ने दिखाया कि कैसे निरंतर जुड़ाव धारणाओं को बदल सकता है, एक राज्य को निवेशकों की नजर में एक विश्वसनीय निवेश गंतव्य बना सकता है और नौकरशाहों को व्यवसाय के अनुकूल बना सकता है। इसी अनुभव ने 'मेक इन इंडिया' को आकार दिया। जब भारत 2047 तक विकसित भारत बनने का अपना लक्ष्य हासिल करेगा, तो ऐसा इसलिए संभव हो सकेगा क्योंकि प्रधानमंत्री ने शासन को ही नए सिरे से परिभाषित किया है। क्रियान्वयन को प्रशासन की कसौटी बनाकर उन्होंने भारत की विशाल मशीनरी को वादों से हटाकर काम करने वाली मशीनरी में बदल दिया है। यही नरेंद्र मोदी की निर्णायक विरासत है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मोदी ने देखा कि योजनाएं अंतिम छोर पर क्यों विफल या सफल होती हैं। इसने उन्हें शासन के केंद्र में महज नीति-निर्माण के बजाय क्रियान्वयन को रखने वाला प्रधानमंत्री बनाया।

टेक्नोलॉजी के चैंपियन हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री

क्या आपको वह समय याद है जब सरकारी दस्तावेज़ को हासिल करना कितना मशक्कत का काम होता था ? कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लंबी लाइनें लगती थीं, और कभी-कभी बेवजह की फीस देनी पड़ती थी। अब वही दस्तावेज़ सीधे आपके फ़ोन पर मिल जाते हैं। यह बदलाव यूं ही नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक को भारत का सबसे बड़ा समान अवसर देने वाला साधन बना दिया। मुंबई का एक रेहड़ी-पटरी वाला वाला भी वही यूपीआई पेमेंट सिस्टम इस्तेमाल करता है, जो एक बड़ी कंपनी का अधिकारी करता है। उनकी सोच में तकनीक पद के अनुरूप किसी ऊंच-नीच को नहीं मानती। यह बदलाव उनकी मूल सोच अंत्योदय को दर्शाता है- यानी कतार में खड़े सबसे आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना। हर डिजिटल पहल का मकसद है कि तकनीक को सबके लिए समान रूप से उपलब्ध कराना। गुजरात में शुरू हुए ये प्रयोग ही भारत की डिजिटल क्रांति की नींव बने।

गुजरात: जहां से शुरुआत हुई

मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी जी ने तकनीक और नवाचार के ज़रिए गुजरात को बदला। 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना में फीडर सेपरेशन तकनीक का उपयोग किया गया। इससे ग्रामीण उद्योगों को 24x7 बिजली मिली और तय समय पर खेतों को बिजली मिलने से ज़मीन के नीचे का पानी कम गति से घटने लगा। महिलाएं रात में पढ़ाई कर सकीं और छोटे व्यवसाय फले-फूले, जिससे गाँव से शहर की ओर पलायन घटा। एक अध्ययन के अनुसार, इस योजना पर किए गए 1,115 करोड़ रुपये के निवेश की भरपाई सिर्फ़ ढाई साल में हो गई। 2012 में उन्होंने नर्मदा नहर पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया। इस परियोजना से हर साल 1.6 करोड़ यूनिट बिजली बनी, जो लगभग 16,000 घरों के लिए काफ़ी थी। साथ ही, नहर के पानी का वाष्पीकरण कम हुआ और पानी की उपलब्धता बढ़ी। एक ही पहल से कई समस्याओं का समाधान निकालना मोदी जी की तकनीक दृष्टि को दर्शाता है।

राष्ट्रीय परिदृश्य

2014 में उन्होंने गुजरात का अनुभव और सीख को दिल्ली तक पहुंचाया। लेकिन पैमाना कहीं बड़ा था। उनके नेतृत्व में इंडिया स्टैक ने जो आकार लिया, वह दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनकर उभरा है। इसकी बुनियाद जैम ट्रिनिटी (जन धन, आधार, मोबाइल) पर रखी गई। जन धन खातों ने 53 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा। जो लोग अब तक आर्थिक रूप से बाहर थे, वे पहली बार औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने। ठेले वाले, दिहाड़ी मज़दूर और ग्रामीण परिवार, जो केवल नकद पर निर्भर रहते थे, अब बैंक खातों से जुड़े। इससे उन्हें सुरक्षित बचत करने, सीधे सरकारी लाभ पाने और आसानी से क़र्ज़ प्राप्त करने का अवसर मिला। आधार ने नागरिकों को डिजिटल पहचान दी। अब तक 142 करोड़ से ज़्यादा पंजीकरण हो चुके हैं। इससे सरकारी सेवाओं तक पहुंचना आसान हुई, जहां पहले कई दस्तावेज़ों की जांच की ज़रूरत पड़ती थी। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने बिचौलियों को हटा दिया और गड़बड़ी कम की। अब तक डीबीटी से 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है।

वैश्विक नेतृत्व

जब कोविड-19 आया, तो पूरी दुनिया वैक्सीन बांटने की अफरा-तफरी से जूझ रही थी। भारत ने अपनी ताक़त दिखाते हुए समाधान दिया। कोविन प्लेटफ़ॉर्म रिकॉर्ड समय में बनाया गया। यह दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का एक संपूर्ण डिजिटल समाधान था। इस प्लेटफ़ॉर्म ने 200 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज़ को सटीक डिजिटल ढंग से संभाला। यह उपलब्धि दिखाती है कि जब तकनीक को राजनीतिक इच्छाशक्ति का सहारा मिलता है, तो वह बहुत बड़े स्तर पर और पूरी निष्पक्षता के साथ परिणाम दे सकती है।

मैन्युफैक्चरिंग क्रांति

चीज़ें बनाने का असली नियम यह है कि आप सीधे चिप्स बनाने पर नहीं कूद सकते, पहले बुनियादी चीज़ें सीखनी पड़ती हैं। यह बिल्कुल वैसे है जैसे कोडिंग सीखते समय सबसे पहले "हैलो वर्ल्ड" से शुरुआत होती है, उसके बाद ही बड़े ऐप्स बनाए जाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन भी इसी क्रम का पालन करता है। देश पहले असेंबली में महारत हासिल करते हैं, फिर सब-मॉड्यूल्स, कंपोनेंट्स और उपकरणों तक आगे बढ़ते हैं। भारत की यात्रा भी इसी प्रगति को दर्शाती है। प्रधानमंत्री की दृष्टि के तहत, आज हमारी मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन क्षमता हमें उन्नत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की ओर छलांग लगाने में मदद कर रही है। वर्तमान में फ़ैब्स और पैकेजिंग फ़ैसिलिटीज़ बनाने पर फोकस करना इस प्राकृतिक विकास का अगला कदम है। लेकिन यह सोच केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। सेमीकंडक्टर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स, गैस और विशेष सामग्री को भी समर्थन दिया जा रहा है। इससे केवल फैक्ट्रियाँ नहीं, बल्कि एक पूरा ईकोसिस्टम खड़ा हो रहा है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

आज से शुरू होगा बचत उत्सव

त्योहार के इस सीजन में देश के सभी परिवारों का भला होगा : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (21 सितंबर, 2025) को देश के नाम अपने संबोधन की शुरुआत में सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं और बधाई दी. देश के नाम संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'कल सोमवार (22 सितंबर, 2025) से शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्रि आरंभ हो रहा है. आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं. कल से देश आत्मनिर्भर भारत की और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है. कल से जीएसटी सुधार का कदम शुरू होने जा रहा है. यह बचत उत्सव है.'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'त्योहार के इस सीजन में देश के सभी परिवारों का भला होने जा रहा है. यह भारत की ग्रोथ स्टोरी को तेजी से आगे बढ़ाएगी. GST सुधारों का यह निर्णय आत्मनिर्भर भारत के परिप्रेक्ष्य में एक बड़ा कदम है. जीएसटी सुधार से देश के सभी वर्गों को फायदा होने जा रहा है.' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'पहले की टैक्स प्रणाली में तरह तरह के टैक्स लगते थे उससे देश के आम नागरिक का नुकसान होता था. हमने जनहित में देशहित में जीएसटी को अमल में लाया. अब देश दर्जनों टैक्स के जाल से मुक्त हो गया है. अब वन नेशन वन टैक्स का सपना आकर हो गया है.

GST बचत उत्सव से लोगों को होगा फायदा

प्रधानमंत्री ने कहा, 'जीएसटी बचत उत्सव लोगों की बचत बढ़ेगी और अधिक खरीदारी कर पाएंगे. जीएसटी बचत उत्सव से देश के मध्यम वर्ग, महिला, छात्र, उद्यमी, निवेश को आकर्षक बनाएंगे. उन्होंने कहा, 'यह एक तरह का नेक्स्ट जनरेशन का रिफार्म है. देश की जरूरत के हिसाब से हमने रिफार्म किया है. ये सुधार भारत के विकास की कहानी को गति देंगे, व्यापार को आसान बनाएंगे, निवेश को अधिक आकर्षक बनाएंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में समान भागीदार बनाएंगे.'

हम नागरिक देवो भवः के मंत्र के साथ बढ़ रहे आगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हम नागरिक देवो भवः के जिस मंत्र से आगे बढ़ रहे हैं उसकी साफ झलक इन जीएसटी रिफार्म में दिख रही है. विकसित भारत के लक्ष्य पर पहुंचने के लिए हमें आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ना होगा. देश की वर्तमान जरुरतों और भविष्य के सपनों को देखते हुए GST के ये नए रिफॉर्म्स लागू हो रहे हैं. अब सिर्फ 5 परसेंट और 18 परसेंट के ही टैक्स स्लैब रहेंगे.'

पीएम मोदी ने स्वदेशी के मंत्र पर दिया जोर

उन्होंने कहा, 'जो देश के लोगों की जरुरत का है, जो हम देश में ही बना सकते हैं, वो हमें देश में ही बनाना चाहिए. देश की स्वतंत्रता को जैसे स्वदेशी के मंत्र से ताकत मिली, वैसे ही देश की समृद्धि को भी स्वदेशी के मंत्र से ही शक्ति मिलेगी. GST कम होने से अब देश के नागरिकों के लिए अपने सपने पूरे करना और आसान होगा. दुनिया में भारत के प्रोडक्ट्स का नाम हो हमें इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा.

डिफेंस डील के बहाने पाक की सऊदी पर नजर

नई दिल्ली। सऊदी अरब और पाकिस्तान ने बीते बुधवार (17 सितंबर 2025) को रक्षा समझौते पर साइन किया, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है. समझौते की टाइमिंग और इसके पीछे छिपे संदेशों ने विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है. यह कदम न सिर्फ खाड़ी क्षेत्र बल्कि दक्षिण एशिया और वैश्विक राजनीति के लिए भी अहम साबित हो सकता है. यह समझौता 9 सितंबर को दोहा में हमास नेताओं पर हुए हमले के लगभग दस दिन बाद सामने आया. विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी टाइमिंग बेहद प्रतीकात्मक है. इसमें यह प्रावधान किया गया है कि किसी भी देश पर हमला, दोनों पर हमला माना जाएगा. रियाद ने इसे व्यापक रक्षात्मक समझौता बताया है, जिसमें सभी सैन्य साधन शामिल हैं. पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम भी समझौते के दायरे में आएगा. यह एक बड़ा कदम है क्योंकि पाकिस्तान एकमात्र मुस्लिम देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं. सऊदी अरब और पाकिस्तान के रिश्ते लंबे समय से सुरक्षा सहयोग पर आधारित रहे हैं. 1990 के दशक में खाड़ी युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने सऊदी सीमा और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के लिए 11,000 सैनिक तैनात किए थे. आज भी 1500-2000 पाकिस्तानी सैनिक सऊदी अरब में मौजूद हैं. कहा जाता है कि पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को सऊदी अरब ने वित्तीय सहयोग से खड़ा किया. अगर यह सच है तो मौजूदा समझौता उस लंबे रिश्ते को औपचारिक रूप देता है. अल्बानी विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर और दक्षिण एशिया के विशेषज्ञ क्रिस्टोफर क्लैरी क्रिस्टोफर क्लैरी के अनुसार, इसका मतलब है कि सऊदी अरब पर हमला करने वाले किसी भी देश को अब पाकिस्तानी परमाणु क्षमता को ध्यान में रखना होगा.

मोदी को प्रचार समिति का अध्यक्ष बनाने पर नाराज हो गए थे आडवाणी : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में एक न्यूज चैनल को इंटरव्यू दिया, जिसमें उनसे कई मुद्दों को लेकर सवाल पूछे गए. राजनाथ सिंह ने बेबाकी से सभी सवालों के जवाब दिए. खासकर नरेंद्र मोदी और लालकृष्ण आडवाणी को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने खुलकर जवाब दिया.राजनाथ सिंह से सवाल किया गया कि गोवा में 2013 में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कई नेता, जिनमें पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य भी थे वो चाहते थे कि नरेंद्र मोदी को चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष न बनाया जाए, लेकिन आपने (राजनाथ सिंह) ने पार्टी अध्यक्ष होने के नाते ये फैसला लिया था, जिस पर कई लोग नाराज हो गए और उन्होंने इस्तीफा भी दे दिया, जिसमें लालकृष्ण आडवाणी भी शामिल थे. इस सवाल के जवाब में राजनाथ सिंह ने कहा कि उनके (लालकृष्ण आडवाणी) के प्रति मेरे मन में पहले भी सम्मान था, आज भी सम्मान है और हमेशा रहेगा. उन्होंने कहा कि उस समय मैं पार्टी अध्यक्ष था तो मुझे लगा कि 2014 में चुनाव आने वाले हैं तो अभी से चुनाव प्रचार को लेकर तैयारियां करनी पड़ेंगी, चुनाव प्रबंधन करना पड़ेगा. व्यवस्थित रूप से चीजें करनी पड़ेंगी. इन सब मुद्दों पर सोच विचार करने के बाद मुझे ये लगा कि इन सब मुद्दों पर सटीक तरीके से कोई काम कर सकता है तो वो नरेंद्र मोदी ही हैं, इसलिए मैंने उनके नाम की घोषणा कर दी. उसके 2 महीने बाद नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के सवाल पर राजनाथ सिंह ने कहा कि ये मैंने नहीं किया ये पार्लियामेंट्री बोर्ड ने किया।

H-1B के नियमों में बदलाव का ऐसे निकलेगा तोड़

ट्रंप के 'वीजा बम' से निटपने का भारतीयों ने खोज लिया जुगाड़

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा H-1B वीजा की एकमुश्त फीस को 1 लाख डॉलर (करीब 88 लाख रुपये) करने के बाद भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों ने नया रास्ता तलाश लिया है. अब फोकस तेजी से L-1 वीजा की ओर बढ़ रहा है, जो फिलहाल H-1B के मुकाबले सस्ता और सुविधाजनक विकल्प माना जा रहा है.

क्यों बढ़ रहा L-1 वीजा की तरफ रुझान

H-1B की बढ़ी लागत के चलते कंपनियों के लिए विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका भेजना मुश्किल हो गया है. वहीं, L-1 वीजा पर भर्ती की कोई सीमा नहीं है और यह कंपनियों को अपने कर्मचारियों को विदेश से अमेरिका ट्रांसफर करने की सुविधा देता है. इससे भारतीय कंपनियां अपने पहले से काम कर रहे कर्मचारियों को आसानी से अमेरिका भेज सकती हैं.विशेषज्ञों का कहना है कि L-1 वीजा पूरी तरह से आसान समाधान नहीं है. इसके लिए कर्मचारी को कम से कम एक साल कंपनी के साथ विदेश में काम किया होना जरूरी है. इसका मतलब है कि नए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को सीधे L-1 पर अमेरिका नहीं भेजा जा सकता. इसके अलावा, इस वीजा पर अमेरिकी अधिकारियों की जांच भी कड़ी होती है. कानूनी जानकारों का कहना है कि जैसे-जैसे कंपनियां H-1B से बचने के लिए L-1 का इस्तेमाल बढ़ाएंगी, वैसे-वैसे अमेरिकी प्रशासन इस श्रेणी पर भी निगरानी और कड़ी कर सकता है. इसमें ज्यादा दस्तावेज, ऊंची अस्वीकृति दर और अतिरिक्त नियम शामिल हो सकते हैं।

तमिलनाडु की 42 पार्टियों का पंजीयन रद्द

चेन्नई। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु में बड़ी कार्रवाई की है। विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे 42 राजनीतिक दलों का पंजीयन रजिस्ट्रर्ड दलों की सूची से हटा दिया। ECI ने जिन 42 पार्टियों कें खिलाफ कार्रवाई की है, उनमें सत्तारूढ़ डीएमके और बीजेपी के सहयोगी दल भी शामिल हैं। यह दल वर्षों में राज्य और केंद्र की राजनीति में सक्रिय हैं। चुनाव आयोग ने यह कदम उन दलों के खिलाफ उठाया है, जिन्होंने 6 साल से किसी चुनाव में हिस्सा नहीं लिया। अथवा निर्वाचन खर्च और ऑडिट रिपोर्ट जैसी जरूरी जानकारियां आयोग को नहीं सौंपी। चुनाव आयोग जन प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 29A के तहत अगर कोई पार्टी तय मापदंडों को पूरा नहीं करती, तो उसे रजिस्टर्ड राजनीतिक दलों की सूची से हटाया जा सकता है।

इन प्रमुख दलों पर भी कार्रवाई - मनिथानेया मक्कल काची (एमएमके): डीएमके की सहयोगी, 2 विधायक, कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके): 1 विधायक, 1 सांसद, डीएमके की सहयोगी, तमिलागा मक्कल मुनेत्र कड़गम (टीएमएमके): बीजेपी की सहयोगी, 2024 में तेनकासी से चुनाव लड़ा, मणिथानेया जननायगा काची (एमजेके): AIADMK के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ चुकी, पेरुंथलाइवर मक्कल काची: 2016 और 2021 में AIADMK के साथ रही।

बीआरएस नेता केटीआर के अनुसार Gen Z- 'बेचैन, युवा, महत्वाकांक्षी, साहसी, यही GenZ है

क्या नेपाल की तरह भारत में भी हो सकता है Gen Z प्रदर्शन?

हैदराबाद। क्या नेपाल की तरह Gen Z विरोध प्रदर्शन भारत में भी हो सकते हैं, इस सवाल के जवाब में भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकारें जनता की आकांक्षाओं पर खरी नहीं उतरीं तो भारत में भी नेपाल जैसा प्रदर्शन हो सकता है.शनिवार को एनडीटीवी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए केटीआर ने कहा कि जब नेपाल में प्रदर्शन शुरू हुए तो आखिरकार सरकार गिर गई. उन्होंने कहा, "नेपाल में हाल ही में जो हुआ, वह लोकतंत्र और जेनरेशन जेड की आवाज़ को दबाने के अलावा और कुछ नहीं था. शुरुआत में, जब जेनरेशन जेड विरोध कर रहा था, तो मीडिया ने भी उसका मज़ाक उड़ाया. उन्होंने कहा कि वे इंटरनेट बाधित करने का विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे अपने भविष्य के लिए विरोध कर रहे थे."

Gen Z विरोध प्रदर्शन पर क्या बोले केटीआर?

उनसे स्पष्ट रूप से जब पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि भारत में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, "अगर सरकारें उन्हें निराश करती रहीं, अगर सरकारें भारत के लोगों की आकांक्षाओं को निराश करती रहीं, तो क्यों नहीं? हां." जब यही सवाल दर्शकों से पूछा गया, जिनमें ज़्यादातर युवा थे तो उनमें से कई ने 'नहीं' कहा तो इस पर तेलंगाना के पूर्व मंत्री ने कहा, "अभी रात बाकी है, देखते हैं."

बीआरएस नेता ने तेलंगाना राज्य के आंदोलन में अपनी और अपनी पार्टी की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि उनके अनुसार जेनरेशन ज़ेड क्या दर्शाता है. "बेचैन, युवा, महत्वाकांक्षी, साहसी, यही जेनरेशन ज़ेड है. आप सचमुच DIY पीढ़ी हैं - विघटनकारी, कल्पनाशील और पूरी तरह से युवा. मैं यह मानना चाहूंगा कि मेरा राज्य, तेलंगाना, भी एक जेनरेशन ज़ेड राज्य है."

हैदराबाद केंद्रीय विवि का दिया उदाहरण

उन्होंने आगे कहा, "जनरेशन ज़ी ने डिजिटल माध्यमों पर सही मायने में नेतृत्व किया है. हैदराबाद में जब तेलंगाना सरकार लगभग 400 एकड़ वन भूमि बेचना चाहती थी तो हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के रूप में जनरेशन ज़ी ने इस अभियान का नेतृत्व किया और सरकार से जवाब मांगना शुरू कर दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर प्रतिक्रिया दी और जनरेशन ज़ी की सक्रियता ने हैदराबाद में 400 एकड़ ज़मीन बचाई.

भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे में बने 781 रन

दोनों टीम के बल्लेबाजों ने 111 बाउंड्री मारे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे वनडे में भारत को 43 रनों से जीत लिया है. इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने तीन वनडे मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है. तीसरा वनडे दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया, जिसमें कंगारू टीम ने पहले खेलते हुए 412 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था.

इसके जवाब में पूरी भारतीय टीम 369 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई. भारत के लिए इस मैच में स्मृति मंधाना ने 125 रनों की शतकीय पारी खेली, लेकिन अपनी टीम की जीत सुनिश्चित नहीं कर पाईं. 413 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल 10 रन बनाकर आउट हो गईं. स्मृति मंधाना ने एक छोर संभाला हुआ था, लेकिन दूसरे छोर से धड़ाधड़ विकेट गिर रहे थे. हरलीन देओल भी 11 रन बनाकर आउट हो गईं. कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 52 रन बनाए और मंधाना के साथ 121 रनों की पार्टनरशिप की. दीप्ति शर्मा ने 72 रन बनाए, लेकिन उनका विकेट गिरने के बाद ही कहीं ना कहीं टीम इंडिया की हार निश्चित हो चली थी. 9 नंबर की बल्लेबाज स्नेह राणा ने भी 35 रनों की पारी के दौरान भारतीय टीम की जीत की उम्मीद बनाए रखी, लेकिन अपनी टीम को जीत तक नहीं ले जा पाईं. भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मैच में कुल 781 रन बने. दोनों टीमों ने कुल मिलाकर 99 चौके और 12 छक्के लगाए. यानी मैच में कुल 111 बाउंड्री लगीं. पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 60 चौके और 5 छक्के लगाए. उसके बाद टीम इंडिया ने भी ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए 39 चौके और 7 छक्के लगाए. इस तरह दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने मिलकर 111 बाउंड्री लगाकर गदर मचाया।

स्मृति मंधाना ने जड़ा सबसे तेज शतक

इस मैच में स्मृति मंधाना पुरुष और महिला वनडे क्रिकेट में मिलाकर भारत के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाली प्लेयर बन गई हैं. उन्होंने 50 गेंद में सेंचुरी पूरी कर विराट कोहली के 52 गेंदों में आए शतक का रिकॉर्ड तोड़ा. यह मंधाना के वनडे करियर का कुल 13वां शतक रहा.

बीसीसीआई अध्यक्ष बन सकते हैं मिथुन मन्हास

नई दिल्ली। मिथुन मन्हास भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के अगले अध्यक्ष बन सकते हैं. शनिवार, 20 सितंबर को दिल्ली में बीसीसीआई अधिकारियों की मीटिंग के बाद ये खबर सामने आई है कि उन्हें किसी तरह की कोई चुनौती नहीं मिलेगी. बता दें कि अध्यक्ष पद का चुनाव 28 सितंबर को होने वाली एनुअल जनरल मीटिंग में होगा.45 साल के मिथुन मन्हास ने लम्बे समय तक दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेला. आजतक ने सूत्रों के हवाले से बताया कि मन्हास को किसी तरह की कोई चुनौती नहीं मिलेगी, वह निर्विरोध बीसीसीआई अध्यक्ष चुने जाएंगे. बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के अपने पद पर बने रहने की संभावना है. वहीं माना जा रहा है कि राजीव शुक्ला अपने पद (बीसीसीआई उपाध्यक्ष) पर बने रहेंगे. राजीव शुक्ला ने रोजर बिन्नी का कार्यकाल खत्म होने के बाद अंतिरम अध्यक्ष के तौर पर काम किया था. बता दें कि रोजर बिन्नी की उम्र 70 साल हो गई, जिसके कारण उन्हें अपना बीसीसीआई अध्यक्ष का पद छोड़ना पड़ा था।

हम करते हैं मैच का बहिष्कार

शहर सत्ता अख़बार ऑपरेशन सिंदूर, पुलवामा और पहलगाम समेत अब तक आतंकिस्तान द्वारा किये गए हमलों में शहीद हर उस भारतीय परिवार और जनभावना के साथ है जो दुश्मन देश को नेस्तनाबूद होते देखना चाहते हैं। इसके मद्देनजर शहर सत्ता परिवार भारत-भिखारिस्तान के बीच होने वाले बेवजह और बेमानी एशिया कप की कवरेज भी नहीं करेगा। हम टेरर और टॉक के साथ ही खून और पानी बहाने वालों का मुखर विरोध करते हैं। बीसीसीआई, आईसीसी, असीसी के भारत-आतंकिस्तान मैच का बहिष्कार करते हुए मैच की ख़बरें और कवरेज नहीं कर रहे हैं। ऐसी खेल भावना और मज़बूरी से हम नहीं बांधें है इसलिए दोनों देशों के इस आयोजन को और भविष्य के सभी खेलों की ख़बरें नहीं प्रसारित करेंगे।

-संपादक शहर सत्ता

आज से लागू होंगे जीएसटी रिफॉर्म

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल की हाल ही में हुई बैठक में कई अहम बदलाव लागू किए गए. इससे टैक्स सिस्टम पहले से कहीं अधिक आसान, पारदर्शी बन गया है. जीएसटी रिफार्म्स के साथ कई चीजों के सस्ते हो जाने की भी उम्मीद जताई जा रही है. आपको बता दें कि फ्रांस दुनिया का पहला देश है, जहां 1954 में सबसे पहले जीएसटी को लागू किया गया था. आज यह दुनिसाभर के 160 से अधिक देशों में लागू है. भारत में यह साल 2017 में लागू हुआ था.

साल 2000 की रखा गया था जीएसटी का प्रस्ताव

साल 2000 की शुरुआत में सबसे पहले जीएसटी का प्रस्ताव पेश हुआ था. उस वक्त अटल विहारी बाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे. उनकी देखरेख में एक समिति का गठन किया गया, जिसे जीएसटी का खाका तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई. इसके बाद लगभग 16-17 सालों तक इस पर लंबी चर्चा हुए. 2016 में संसद ने इसे पारित कर दिया. फिर जीएसटी काउंसिल का गठन किया गया. आखिरकार 1 जुलाई, 2017 पूरे देश में इसे लागू कर दिया गया. उस दौरान इसे 'वन नेशन, वन टैक्स' का नाम दिया गया.

भारत में क्यों लागू हुआ जीएसटी और इसके फायदे?

इसका मकसद वैट, सर्विस टैक्स, एक्साइज ड्यूटी जैसे कई इनडायरेक्ट टैक्स को यूनिफाइड टैक्स सिस्टम के साथ रिप्लेस करना था. साथ ही उपभोक्ताओं पर टैक्स के बोझ को कम करना और टैक्स सिस्टम को आसान बनाना भी था. जीएसटी का देश में लागू होना स्वतंत्रता के बाद से टैक्स सिस्टम में हुआ सबसे बड़ा सुधार था. पहले फोर टियर- 5 परसेंट, 12 परसेंट, 18 परसेंट, 28 परसेंट टैक्स स्ट्रक्चर था, जिसे हाल ही में हुए जीएसटी सुधार के बाद घटाकर टू टियर- 5 परसेंट और 18 परसेंट कर दिया गया है. कुल मिलाकर जीएसटी को लरगू करने का मकसद कई अलग-अलग टैक्स से देश की जनता को छुटकारा दिलाते हुए एक यूनिफाइड टैक्स लागू करना था. इससे पूरे देश में एक जैसा नियम लागू होने के चलते कारोबार आसान हुआ. चूंकि यह डिजिटल बेस्ड एक ऑनलाइन टैक्स सिस्टम है इसलिए अधिक पारदर्शी होने की वजह से टैक्स चोरी पर भी रोक लगी. इससे सरकार की भी कमाई बढ़ी.

22 सितंबर के बाद सस्ता नहीं मिला सामान, तो दर्ज कराएं शिकायत

नई दिल्ली। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 22 सितंबर, 2025 से हो रही है. इसी दिन से जीएसटी की नई दरें भी लागू होंगी, जिसके बाद रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली कई चीजें सस्ती हो जाएंगी जैसे कि शैंपू, साबुन, बेबी प्रोडक्ट्स, लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस वगैरह. सरकार देश में इसे समान रूप से लागू कराने के लिए तत्पर है. इसी के चलते एक पोर्टल लॉन्च किया गया है, जिसमें जीएसटी से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं. इसमें आप जीएसटी सुधारों के बाद सामानों के नए रेट, बिलिंग और मिल रही छूट के बारे में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं.

यहां दर्ज कराएं अपनी शिकात

नए सिस्टम के तहत, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (https://consumerhelpline.gov.in) के इनग्राम (Integrated Grievance Redressal Mechanism) पोर्टल पर एक अलग कैटेगरी रखी गई है. इसमें आप जीएसटी से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकेंगे. इसमें एक सब-कैटेगरी भी है, जिसमें ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, F M C G , ई-कॉमर्स जैसे सेक्टर्स कवर किए गए हैं.

कॉल या SMS करें

आप चाहें तो टोल-फ्री नंबर 1915, NCH ऐप, वेब पोर्टल, व्हाट्सएप, एसएमएस, ईमेल या उमंग ऐप के जरिए भी अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं. यह सेवा हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, बंगाली, गुजराती और असमिया सहित 17 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है. शिकायत दर्ज होने के बाद आपको एक यूनिक डॉकेट नंबर भी दिया जाएगा, जिससे आप यह ट्रैक कर सकेंगे कि आपके द्वारा की गई शिकायत पर कार्रवाई की बात कितनी आगे पहुंची है. समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए डेटा संबंधित कंपनी, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) और अन्य नियामकों के साथ साझा किया जाएगा. इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि शिकायत संबंधी पोर्टल के शुरू होने से उपभोक्ताओं को यह जानने में मदद मिलेगी कि सामानों पर जीएसटी रेट कट का फायदा मिल रहा है या नहीं या कहां लोग इसका पालन नहीं कर रहे हैं. इससे रिटेल लेवल पर टैक्स रिफॉर्म अधिक प्रभावी ढंग से लागू हो पाएगा.

भारत से झींगा एक्सपोर्ट पर टैरिफ लगाने की मांग

नई दिल्ली। अमेरिका भारत के लिए हर रोज नए-नए फरमान लेकर आ रहा है. कभी भारतीय सामानों पर हाई टैरिफ लगा रहा है, कभी रूस से तेल की खरीद को लेकर पेनाल्टी लगाई जा रही है. हाल ही में H1B वीजा पर वसूले वाले शुल्क को भी सालाना रूप से बढ़ाकर 100,000 डॉलर करने की बात कही गई है. अब अमेरिका भारत को एक और झटका देने की तैयारी कर रहा है. दरअसल, अमेरिकी सीनेटर बिल कैसिडी और सिंडी हाइड-स्मिथ ने अमेरिकी सीनेट में भारत के झींगा एक्सपोर्ट पर टैरिफ लगाने का प्रस्ताव पेश किया है. उनके इस India Shrimp Tariff Act का मकसद भारत द्वारा लुइसियाना के झींगा और कैटफिश इंडस्ट्री को बचाना है.

सिर्फ 2 साल में ही 2500 करोड़ से ज्यादा लूटा बैठे लोग

नई दिल्ली। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही डिजिटल फ्रॉड के मामले भी खतरनाक स्तर तक बढ़ गए हैं. ठग अब नए-नए तकनीकी तरीकों का इस्तेमाल करके लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं और उनके करोड़ों रुपये लूट ले रहे हैं. सरकार और आरबीआई लगातार कदम उठा रहे हैं, लेकिन चुनौतियां बनी हुई हैं. हाल ही में गुरुग्राम की एक महिला "डिजिटल अरेस्ट" नामक स्कैम का शिकार हो गई और उसने 5.85 करोड़ रुपये गंवा दिए. सितंबर 2024 में कुछ ठगों ने खुद को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताकर वीडियो कॉल किया. फर्जी आईडी दिखाकर महिला और उसके बेटे को जेल भेजने की धमकी दी गई. डर के मारे महिला ने पहले दिन ही 2.8 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए और अगले ही दिन फिर से 3 करोड़ रुपये भेज दिए. कुछ मामलों में तो बैंककर्मी भी इस फर्जीवाड़े का हिस्सा पाए गए हैं।

साप्ताहिक शहर सत्ता

रायपुर-बिलासपुर में 'नमो युवा रन' का भव्य आयोजन

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा के तहत रविवार को प्रदेशभर में 'नमो युवा रन' का आयोजन किया गया। राजधानी रायपुर में तेलीबांधा तालाब से प्रारंभ हुई इस दौड़ को उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ऐतिहासिक आयोजन में 10 हजार से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया और नशामुक्त तथा स्वस्थ भारत बनाने का संकल्प लिया। दौड़ का समापन सुभाष स्टेडियम में हुआ।

युवाओं को दिया नशामुक्त भारत का संदेश

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवा शक्ति को स्वस्थ, समर्थ और सक्षम बनाना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि निराशा की स्थिति में नशे को नहीं, बल्कि खेलों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया अभियान का उद्देश्य भी यही है कि युवा खेल और फिटनेस से जुड़कर सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान

समापन समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को मंच की प्रथम पंक्ति में बैठाकर सम्मानित किया। इनमें वेटलिफ्टर रूस्तम सारंग, हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, फुटबॉलर किरण पिस्दा, वॉलीबाल खिलाड़ी दीपेश सिन्हा सहित कई खिलाड़ियों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

विजेताओं को मिला नकद पुरस्कार

दौड़ में पुरुष वर्ग में अर्जुन राय ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ₹25,000 की पुरस्कार राशि जीती। द्वितीय स्थान पर अक्षय कुमार (₹15,000) और तृतीय स्थान पर चंद्रप्रकाश (₹10,000) रहे। महिला वर्ग में वंशिका पटेल ने पहला स्थान हासिल कर ₹25,000 की पुरस्कार राशि जीती।

द्वितीय स्थान पर रूखमणि साहू (₹15,000) और तृतीय स्थान पर चंचल यादव (₹10,000) रहीं। इसके अलावा चौथे और पांचवें स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को ₹5,000 तथा छठे से दसवें स्थान तक पहुंचने वाले प्रतिभागियों को ₹2,000 की राशि दी गई।

10 हजार से अधिक युवाओं ने लिया संकल्प

बिलासपुर में भी आयोजन

'नमो युवा रन' का आयोजन बिलासपुर में भी किया गया। यहां सीएमडी कॉलेज मैदान से शुरू होकर रीवर-व्यू रोड तक दौड़ आयोजित हुई। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बिलासपुर में तैयारियों का स्वयं जायजा लिया और विभिन्न युवा संगठनों, खिलाड़ियों, विभागीय अधिकारियों एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रूपरेखा तय की। सफल आयोजन के लिए उन्होंने बिलासपुर के युवाओं को बधाई दी।

इस अवसर पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि भी दौड़ में शामिल हुए। साथ ही रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनूजा सलाम, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया सहित अनेक खेल संघों के पदाधिकारी और कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

75 शहरों में हुआ आयोजन

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिवस पर देशभर के 75 शहरों में 'नमो युवा रन' का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में रायपुर और बिलासपुर प्रमुख आयोजन स्थल रहे।

GST 2.0 के फायदे गिनाने प्रबुद्धजन सम्मेलन करेगी BJP

90 विधानसभाओं में होगा सम्मेलन, सांसद-विधायकों की कमेटी करेगी मॉनिटरिंग

शहर सत्ता/रायपुर। भारतीय जनता पार्टी देशभर में GST 2.0 के फायदे गिनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाएगी। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश के 90 विधानसभा क्षेत्रों में प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित करेगी। इस सम्मेलन के जरिए बीजेपी नेता GST 2.0 के फायदे आम जनता को बताएंगे। बीजेपी के आला नेताओं ने जिला स्तर के नेताओं को ट्रेनिंग देकर इसके लिए तैयार कर दिया है। बीजेपी ने GST 2.0 का प्रचार प्रसार करने राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय समिति का गठन भी किया है। इस समितियों में सांसद-विधायक शामिल है, जो इस पूरे कार्यक्रम की सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक मानीटरिंग करेंगे।

GST दर में क्या बदलाव हुआ है?

केंद्र सरकार ने 3 सितंबर को बताया कि GST के 5%, 12%, 18% और 28% के स्लैब को घटाकर दो कर दिया है। अब सिर्फ 5% और 18% का स्लैब होगा। इसके अलावा, तंबाकू, पान मसाला, कार्बोनेटेड ड्रिंक और लग्जरी सामान जैसे बड़ी कारें, याट और पर्सनल इस्तेमाल के लिए विमान पर 40% का स्पेशल टैक्स लगेगा। कुछ सामान जैसे छेना, पनीर, रोटी, चपाती, पराठा पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। तंबाकू को छोड़कर नई दरें सभी सामानों पर 22 सितंबर से लागू होंगी।

कारोबारी-आम आदमी दोनों को नए नियम से फायदा

बीजेपी प्रवक्ता अमित चिमनानी ने बताया, कि GST 2.0 से कारोबारी और आम आदमी दोनों को फायदा होगा। पार्टी ने सभी पार्टी नेताओं का इस विषय में प्रशिक्षण पहले ही पूरा कर लिया गया है। अब यह अभियान सीधे जनता तक GST 2.0 के फायदों को पहुंचाने के लिए प्रत्येक जिले में सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में व्यापारियों, उद्योगपतियों और आम जनता को GST 2.0 के सरल नियम और आर्थिक लाभ समझाए जाएंगे।

जागरूकता पैदा करना मकसद

बीजेपी नेताओं के अनुसार पार्टी का उद्देश्य सिर्फ कानून और नीति के फायदे बताना ही नहीं है, बल्कि जनता में आर्थिक जागरूकता पैदा करना है। सम्मेलन में प्रवक्ता और प्रशिक्षित नेता GST 2.0 के तहत मिलने वाले कर छूट, रिफंड और छोटे व्यापारियों के लिए आसान प्रक्रिया जैसी जानकारियां साझा करेंगे। पार्टी ने प्रदेशभर में सम्मेलन, प्रचार अभियान और सोशल मीडिया कैंपेन चलाने का रोडमैप तैयार किया है। इसके लिए प्रदेश स्तरीय कमेटी बनाई गई है, जिसमें महामंत्री यशवंत जैन को संयोजक नियुक्त किया गया है।

4 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे शाह

बस्तर दशहरा में शामिल होंगे केंद्रीय गृहमंत्री, आदिवासी प्रतिनिधियों से करेंगे संवाद

शहर सत्ता/रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 4 अक्टूबर को प्रदेश प्रवास में रहेंगे। बीजेपी नेताओं ने उनके आगमन की तैयारियां शुरू कर दी है। बतादें कि छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा महोत्सव को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है।

नई दिल्ली में बस्तर दशहरा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उन्हें मुरिया दरबार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। यह प्रतिनिधिमंडल बस्तर सांसद और दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप के नेतृत्व में था, जिसमें मांझी-चालकी और अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान समिति ने अमित शाह को मां दंतेश्वरी की पवित्र तस्वीर भेंट की। गृहमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए बस्तर दशहरे की परंपराओं की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बस्तर अब नक्सलवाद की गिरफ्त से निकलकर शांति और विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वे 75 दिनों तक चलने वाले इस अनोखे महोत्सव में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं।

पीएम को भी भेजा है आमंत्रण

समिति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रण भेजा है। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण है, जब बस्तर की संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिल रहा है। गौरतलब है कि बस्तर दशहरे में रावण दहन नहीं होता, बल्कि मां दंतेश्वरी की पूजा के साथ यह महोत्सव आदिवासी परंपराओं की अनूठी झलक प्रस्तुत करता है।

वोट चोरी पर कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान

शहर सत्ता/रायपुर। चुनाव में कथित वोट चोरी और धांधली को लेकर कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। हाईकमान के घोषणा के बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एक पत्र जारी कर सभी कमेटियों को 'हस्ताक्षर अभियान' को लेकर आदेश दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ता 15 अक्टूबर तक हर गांव और ब्लॉक में जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे। इस दौरान जनता से फॉर्म भरवाया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर फॉर्म भरवाएंगे और जनता से हस्ताक्षर लेकर इन्हें निर्वाचन आयोग और राष्ट्रपति के के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य जनता की आवाज को मजबूत करना और लोकतंत्र की रक्षा करना है। हस्ताक्षर अभियान के जरिए वोट चोरी के दोषियों पर सख्त कार्रवाई और निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि प्रदेश के सभी जिला, ब्लॉक और मंडल स्तर के पार्टी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में इस अभियान का नेतृत्व करें। जिसमें आम जनता, पेशेवर और स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित किया जाए। हस्ताक्षर अभियान एकत्र किए गए हस्ताक्षर चुनाव आयोग और भारत के राष्ट्रपति को जनता को सौंपे जाएगा।

15 अक्टूबर तक ये कार्यक्रम का होगा आयोजन

- कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर करेंगे जनसंपर्क अभियान
- छोटे-बड़े नुक्कड़ सभा/ बैठक का आयोजन किया जाएगा।
- हर ब्लाक के साप्ताहिक बड़े बाजारों को चयन करके रैली / नुक्कड़ सभा
- प्रत्येक बूथ में 100 से 200 कार्यकर्ता और जनता का हस्ताक्षर।

मंडल और ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति भी जल्द

कांग्रेस में सितंबर के बाद बदले जाएंगे 12 जिलाध्यक्ष

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में 30 सितंबर के बाद संगठन में बड़ा फेरबदल होने जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की नियुक्ति के बाद यह पहला मौका है जब संगठन में इतने व्यापक स्तर पर बदलाव किया जाएगा। पार्टी 12 जिलाध्यक्षों को बदलने की तैयारी में है। इसके साथ ही प्रदेश में मंडल और ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति भी जल्द की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, यह फेरबदल संगठन को मजबूत बनाने और नए नेतृत्व को अवसर देने के मकसद से किया जा रहा है। सूची तैयार कर हाईकमान को भेज दिया गया है। बताया जा रहा है बीते दिनों जिन जिलों में विवाद की स्थिति बनी थी वहां नए चेहरों को मौका मिल सकता है।

हाईकमान से अनुमति के बाद आएगी सूची

बीते दिनों कुछ जिलों में विवाद और असहमति की स्थिति बनी हुई थी, वहां संगठन ने पर्यवेक्षकों को भेजकर रिपोर्ट तैयार करवाई थी। इन रिपोर्टों के आधार पर नए जिलाध्यक्षों की सूची बनाई गई है। दिल्ली हाईकमान की अनुमति मिलने के बाद यह सूची सार्वजनिक कर दी जाएगी।

ब्लॉक-मंडल अध्यक्ष की नियुक्तियां जल्द

प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने बताया कि संगठन विस्तार के तहत ब्लॉक अध्यक्षों और मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति भी की जाएगी। इन नियुक्तियों की सूची जल्द जारी की जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि नए ब्लॉक और मंडल अध्यक्षों के चयन से पार्टी के संगठनात्मक कामकाज में तेजी आएगी और जनसंपर्क मजबूत होगा।

नए चेहरों को मिलेगा मौका

इस बड़े फेरबदल से पार्टी को नए चेहरे और सक्रिय नेतृत्व मिलेगा, जो आगामी चुनावी तैयारियों में मददगार साबित होगा। कांग्रेस नेताओं की इस रणनीति का उद्देश्य न केवल संगठन को सुदृढ़ करना है, बल्कि पार्टी में पुराने विवादों और असहमति को समाप्त कर नए नेताओं को अवसर देना भी है।

दुर्ग में भाजपा का प्रबुद्धजन सम्मेलन

डिप्टी CM बोले- मोदी सरकार में भारत ने हर क्षेत्र में प्रगति की

शहर सत्ता/रायपुर। दुर्ग जिले के साइंस कॉलेज राधाकृष्णन ऑडिटोरियम में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने शिरकत की। कार्यक्रम में वकील, व्यापारी, शिक्षाविद और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर नल से जल, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं का लाभ आम लोगों को मिल रहा है। साव ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर मजबूत भूमिका निभा रहा है। भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क, रेल, खेल और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं।

सेवा पखवाड़े का हिस्सा है सम्मेलन

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बताया कि यह सम्मेलन पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से गांधी जयंती तक चल रहे सेवा पखवाड़े का हिस्सा है। प्रधानमंत्री की योजनाओं-उपलब्धियों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जा रही है।

कांग्रेस का असली चेहरा आदिवासी विरोध और महिला अपमान : मरकाम

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अजजा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा खेल संचालनालय में की गई गुंडागर्दी की कड़ी निंदा की है।

उन्होंने कहा कि इस घटना ने एक बार फिर कांग्रेस का असली चेहरा सामने ला दिया है। श्री मरकाम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ आदिवासी नेता अरविंद नेताम के परिवार की बहू और आईएएस अधिकारी तनुजा सलाम को बदनाम करने की साजिश रची गई, जो कांग्रेस की आदिवासी विरोधी मानसिकता का खुला प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक महिला अधिकारी को निशाना बनाने का मामला नहीं है, बल्कि पूरे आदिवासी समाज की अस्मिता और सम्मान पर सीधा प्रहार है।

कार्यकर्ताओं पर FIR का कर रहे विरोध

युवा कांग्रेस-NSUI ने किया गृहमंत्री का पुतला दहन

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल विभाग में भ्रष्टाचार और नकली डिग्री देने वाली संस्था के विरोध में प्रदर्शन करने वाले युवा कांग्रेस और NSUI पदाधिकारियों पर FIR के विरोध में रविवार को राजधानी रायपुर में युवा कांग्रेस और NSUI कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से गृहमंत्री विजय शर्मा का पुतला दहन किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी भी हुई।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस और NSUI पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पूर्व पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के प्रदेश महासचिव भावेश शुक्ला और NSUI रायपुर जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने भ्रष्टाचार और डिग्री घोटाले का खुलासा किया था। इसके जवाब में भाजपा सरकार ने राजनीतिक दबाव बनाकर पुलिस से उनके खिलाफ झूठा मामला दर्ज करवाया है। बता दें कि शुक्रवार को युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव भावेश शुक्ला खेल संचालनालय कार्यालय पहुंचे और विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने एक महिला अधिकारी से सवाल किए। इस दौरान वह नंगे पैर ही अपने चेंबर से बाहर निकल गईं। इसके बाद महिला अधिकारी की शिकायत पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के खिलाफ FIR दर्ज की गई है।

NSUI जिला अध्यक्ष के खिलाफ FIR

रायपुर NSUI जिला अध्यक्ष के खिलाफ भी FIR दर्ज हुई है। उन पर एक एजुकेशनल संस्था में घुसकर तोड़फोड़ और गाली-गलौज करने का आरोप है। संस्थान के डायरेक्टर का कहना है कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। इसके बाद पुलिस ने मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी जैसी धाराओं में FIR दर्ज किया है। हालांकि, NSUI नेता ने सभी आरोपों को गलत बताया है।

स्वास्थ्य मंत्री का भी होगा घेराव

NSUI नेता अमित शर्मा ने कहा, यदि झूठे प्रकरण वापस नहीं लिए गए तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। शर्मा इसके ने ऐलान किया है कि प्रदेश में चल रहे अवैध पैरामेडिकल कॉलेज के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री के बंगले का घेराव भी किया जाएगा।

हिट हीरोइनों की फ्लॉप बहनें

बॉलीवुड की हिट हीरोइनों की चमक-धमक तो सब देखते हैं, लेकिन उनकी फ्लॉप बहनों की जिंदगी अक्सर अनकही रहती है. किसी ने अमीर बिजनेसमैन से शादी कर शानदार जिंदगी बनाई, तो कुछ अपनी सादगी भरी जिंदगी जी रही हैं. आइए जानते हैं कुछ ऐसे नाम.

मलाइका अरोड़ा की बहन अमृता अरोड़ा

अमृता अरोड़ा, मलाइका अरोड़ा की बहन हैं और उन्होंने बॉलीवुड में करियर बनाने की कोशिश की. उन्होंने कुछ फिल्मों में काम किया, लेकिन मलाइका की तरह बड़ी सफलता नहीं पा सकीं. उनकी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखाया. इसके बाद अमृता ने एक्टिंग की बजाय निजी जिंदगी और अन्य पेशों पर ध्यान दिया. अमृता अरोड़ा ने अमीर बिजनेसमैन शकील लदाक शादी की है. शादी के बाद वह पर्सनल लाइफ में शांत और मीडिया से दूर रहने लगीं.

काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी

काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत 1990 के दशक के अंत में की थी. उन्होंने कुछ फिल्मों में एक्टिंग किया, लेकिन काजोल की तरह बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाईं. तनीषा ने मुख्य रूप से रोमांटिक और ड्रामा फिल्में कीं, लेकिन दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों का रिएक्शन मिस्ड रहा. उनकी तुलना अक्सर बड़ी बहन काजोल से की जाती रही, जिससे उनकी छवि पर असर पड़ा. हालांकि, उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी और इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश जारी रखी. वर्तमान में तनीषा फिल्मी दुनिया से दूर हैं।

शिल्पा शेट्टी की बहन शमिता शेट्टी

शमिता शेट्टी, बॉलीवुड एक्ट्रेस और शिल्पा शेट्टी की बहन हैं. उन्होंने फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन शिल्पा की तरह बड़ी सफलता नहीं पा सकीं. शमिता ने कुछ फिल्में की, लेकिन उनमें खास कमर्शियल हिट नहीं मिली. इसके बाद उन्होंने टीवी रियलिटी शोज़ और डांस प्रोजेक्ट्स में सक्रिय रहकर अपनी पहचान बनाई. वर्तमान में शमिता फिल्म इंडस्ट्री और टीवी दोनों में धीरे-धीरे काम कर रही हैं. उन्हें बिग बॉस में देखा गया था.

बॉक्स ऑफिस पर जॉली एलएलबी और लोका: चैप्टर 1 का जलवा

थिएटर में इन दिनों कई सारी फिल्में लगी हैं. साउथ, हॉलीवुड और बॉलीवुड हर इंडस्ट्री की फिल्में लगी हैं और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही हैं. एक तरफ अक्षय कुमार की जॉली एलएलबी 3 ने दो ही दिन में धमाल कर दिया है. वहीं कल्याणी प्रियदर्शन की लोकाहा 25 दिन बाद भी रुकने का नाम नहीं ले रही है. आइए जानते हैं शनिवार को कौनसी फिल्म आगे निकली.

जॉली एलएलबी 3

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म जॉली एलएलबी 3 ने शनिवार को 20 करोड़ की कमाई की. फिल्म ने टोटल 32.76 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म को सुभाष कपूर ने डायरेक्ट किया है. सौरभ शुक्ला, हुमा कुरैशी और गजराज राव अहम रोल में हैं. फिल्म ने वर्ल्डवाइड 49 करोड़ का कलेक्शन किया.

लोका: चैप्टर 1

लोका: चैप्टर 1 ने शनिवार (25वां दिन) को 1.19 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट हो गई है. फिल्म का टोटल कलेक्शन 134.94 करोड़ हो गया है. फिल्म में कल्याणी प्रियदर्शन लीड रोल में हैं.

मिराई

तेजा सज्जा की फिल्म मिराई चर्चा में बनी हुई है. बीच में फिल्म के कलेक्शन में थोड़ी सी कमी देखने को मिली. लेकिन शनिवार को फिल्म ने धमाका किया. फिल्म ने शनिवार को 5.15 करोड़ की कमाई की. फिल्म का टोटल कलेक्शन 73 करोड़ हो गया है.

'बाबूराव' की नकल पर कपिल शर्मा शो पर ₹25 करोड़ का केस

'हेरा फेरी' के आइकॉनिक किरदार बाबूराव गणपत राव आप्टे को कौन नहीं जानता! ये किरदार हर वर्ग के लोगों के जहन में है जिसे परेश रावल ने निभाया था। अब इसको लेकर फिल्म के प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला ने नेटफ्लिक्स और 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के मेकर्स को ₹25 करोड़ का कानूनी नोटिस भेजा है। दरअसल मामला शो के एक एपिसोड से जुड़ा है, जिसमें किकू शारदा 'बाबूराव गणपतराव आपटे' की नकल करते नजर आ रहे हैं। शो के इस खास एपिसोड में अक्षय कुमार गेस्ट के रूप में शामिल होने वाले हैं।

नाडियाडवाला ने क्यों भेजा नोटिस

फिरोज नाडियाडवाला ने 'बाबूराव' के किरदार को बिना परमिशन के इस्तेमाल और नकल करने को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने मांग की है कि यह स्किट तुरंत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और एपिसोड से हटाया जाए, साथ ही किसी भी तीसरी पार्टी के जरिए इसका प्रसारण न हो। नोटिस में यह भी कहा गया है कि भविष्य में इस किरदार का बिना अनुमति दोबारा इस्तेमाल न किया जाए, इसके लिए एक लिखित आश्वासन दिया जाए।

रामलीला में पूनम पांडे बनेंगी मंदोदरी, मचा बवाल

दिल्ली के प्रसिद्ध रामलीला कमेटी लवकुश में मंदोदरी के रोल को लेकर बवाल मचा हुआ है. इस बवाल के बीच रविवार को लव-कुश रामलीला समिति के चेयरमैन अर्जुन कुमार का बड़ा बयान आया है. उन्होंने पूनम पांडे के रोल को लेकर बयान दिया है. उन्होंने कहा कि लवकुश रामलीला समिति हर साल फिल्मी दुनिया के लोगों को आमंत्रित करती है. कुछ लोगों को रिक्वेस्ट हम भेजते हैं. किरदार के हिसाब से फिल्मी सितारों का चयन किया जाता है. इस बार मंदोदरी के रोल के लिए पूनम पांडे को सेलेक्ट करने के लिए कई रिक्वेस्ट दिया गया था.

उन्होंने मंदोदरी को लेकर उपजे बवाल पर कहा कि रमायण में वह सबसे ज्यादा सुंदर थी. उसने रावण को बुरे काम करने के लिए रोका था. एक ऐसा कलाकार जो इस मर्यादा में रहकर इस तरह की भाषा बोलेगा और इस तरह का रोल करेगा. तो, निश्चित रूप से उसके दिल और दिमाग भी बदलेगा और उसको देखने के बाद सैकड़ों लड़कियां खुद को बदलेंगी. उन्होंने पूनम पांडे को लेकर कहा कि कमेटी ने अभी तक इस पर फैसला नहीं लिया है. मगर इसमें बदलाव की गुंजाइश संभव है. अर्जुन ने आगे कहा कि पूनम पांडे के नाम को लेकर विवाद हो रहा है. ये मामला हमारे संज्ञान में आया है. इसको लेकर लव-कुश रामलीला समिति बैठक करेगी. तय कार्यक्रम के मुताबिक पूनम पांडे मंदोदरी का किरदार निभाने जा रही हैं, अभी कोई बदलाव नहीं किया है. 30 सितंबर से पहले लवकुश रामलीला समिति बैठक करेगी।

जुबिन गर्ग की अंतिम यात्रा में उमड़ी लोगों की भीड़

मशहूर असमीस और बॉलीवुड सिंगर का निधन होने जाने से उनके फैंस काफी दुखी हैं। उन्होंने हिंदी समेत तमाम भाषा में गाना गाकर लाखों दिलों में अपनी जगह बनाई थी। 19 सितंबर को उनकी अचानक मौत की खबर ने पूरे देश को झटका दिया है। 52 साल के जुबीन के जाने से फैंस बेहद दुखी हैं। शुक्रवार दोपहर को जुबीन गर्ग के निधन की खबर ने हर किसी को चौंका दिया था। वह नॉर्थ ईस्ट के एक फेस्टिवल में शामिल होने के लिए सिंगापुर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वह बीते दिन स्कूबा डाइविंग के दौरान एक एक्सीडेंट में घायल हुए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल भी ले कर जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उनकी मौत हो गई। आज यानी रविवार को उनका शव असम के गुवाहाटी पहुंच गया था। यहां से सिंगर की अंतिम यात्रा निकाली गई। अंतिम यात्रा में जुबिन के फैन्स का हुजूम उमड़ा।

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल को मिलेगा दादा साहब फाल्के अवॉर्ड

भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2023 के लिए मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार मोहनलाल को चुना गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की घोषणा की। भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2023 के लिए मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार मोहनलाल को चुना गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की घोषणा की। 45 सालों से अभिनय की दुनिया में सक्रिय मोहनलाल को उनकी बहुआयामी प्रतिभा और भारतीय सिनेमा में अमूल्य योगदान के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी X (पूर्व ट्विटर) पर उन्हें बधाई देते हुए उन्हें मलयालम सिनेमा का अग्रदूत और भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पित कलाकार बताया। बता दें, यह पुरस्कार 23 सितंबर, 2025 को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाएगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अधिकारिक X अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर इसकी पुष्टि की। पोस्ट में लिखा- "मोहनलाल की सिनेमैटिक जर्नी पीढ़ियों को प्रेरित करती है। उनका बेजोड़ प्रतिभा, बहुआयामी अभिनय और अथक मेहनत ने भारतीय सिने इतिहास में एक स्वर्णिम मानक स्थापित किया है।"

मानवीय जीवन के आदर्श की अभिव्यक्ति है कारी

डॉ. संतराम देशमुख

छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य कारी आंचलिक संस्कृति और मानवीय जीवन के आदशों की अभिव्यक्ति है। कारी दुख सुख की ऐसी किताब है जिसमें हर शब्द में प्रेम, हर पंक्ति में दया और वाक्यों में करुणा का दर्शन है, मातृत्व का उमड़ता सागर है तो उनके प्रत्येक पृष्ठ पर अत्याचार, शोषण एवं अन्याय भी है। शोषित, पीड़ित, उपेक्षित, भारतीय नारी की प्रतिनिधि है कारी।

संस्कृति और पुरूष प्रधान समाज में गिरफ्त नारी को उबारने का आह्वान है। छत्तीसगढ़ी परम्परा में विधवा होने के बाद चूड़ी पहनने की प्रथा को तोड़ कर परम्परा को एक नया मोड़ दिया है, जिससे जीवन शैली में एक नई क्रांति आई है जो सराहनीय है। कारी का विवादग्रस्त अभिनय लोगों के मन का आकर्षण है। कारी गांव की अबूझ भोली भाली नारी का प्रतीक है। कारी के विधवा होने का दृश्य देखने वालों की आंखों को नम कर देता है। कारी के दुख में सबको सहभागी बना देता है। संवाद में व्यंग्य के तीखे प्रहार का स्वर भी उभरा है। सचमुच छत्तीसगढ़ की नारी भूखी, अभावग्रस्त और अनपढ़ होते हुए भी सरल होती हैं। श्रम करती हैं और अपना जीवनयापन हर स्थिति में कर लेती हैं, उसके हृदय में प्रेम की गंगा सदा प्रवाहित होती रहती है। वह ममतादायिनी है। कारी के प्रदर्शन में संवाद प्रेम साइमन और निर्देशन राम हृदय तिवारी तथा कारी की भूमिका शैलजा ठाकुर ने की है। अन्य प्रमुख कलाकारों में कृष्ण कुमार चौबे, विजय मिश्रा, विनायक अग्रवाल, विसंभर यादव, ध्रुव सिंह, चतरु साहू, सुरेश यादव, नवल मानिकपुरी, भैया लाल हेड़ाऊ, गिरजा सिन्हा के अलावा अनेक बाल कलाकारों ने कारी के प्रदर्शन को जीवंत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

कवधूरागढ़ और गोंडवाना समाज

वर्तमान में कवर्धा या कबीरधाम स्वतंत्र जिला बन चुका है। कवर्धा मैंकल श्रृंखलाओं में स्थित है। इसका प्राचीन नाम कवधूरागढ़ था। यहां नाग चिन्हधारी राजा भोरमदेव प्रथम राजा हुए, जो गढ़ मंडला के नाग गंडचिन्ह धारक नागदेव राजा का बड़ा भाई था। इनके वंशजों ने कवधूरागढ़ में मड़वा महल, छेरकी महल, खंडवा महल, छपरी महल के अतिरिक्त भोरमदेव नामक शंभू महादेव देवालय बनवाया। जिसका अवशेष अभी भी है। रंगेल सिंह द्वारा लिखित गणवीरों की गाथा में गढ़ मंडला के पोल सिंह नामक नाग गंडचिन्ह धारक उईकाल गोत्रिय राजा के तीन पुत्र थे। पोल सिंह के मरणोपरांत अपने पिता के राज्य को तीन संभावों में विभाजित किया। गढ़ मंडला, कवधूरागढ़ और पांचाल गढ़। यह वही कवधूरागढ़ है जहां भूरदेव के पश्चात ई पूर्व 385 से 800 तक वहां नलदेव, ओलिसुर, बारीसुरमुरपाल, मंगा सुर, वीर सिंह, भुर पाल, लमकापुर, मादो सिंह, जुगा दर, मालू कोमा, नाग मुरा, हर देव आदि बीस राजाओं का शासन था। नवीं शताब्दी में वहां अहिराज नामक नाग गंडचिन्ह धारक राजा सत्ता में आया। वहां प्राप्त शिलालेखों में अहिराज सज्जल, धारणी घर, महिम देव, सपन देव, गोपाल देव, भुवन के पाल, कीर्ति पाल, जगत पाल, महिपाल, छन्नू पाल, भुवन, कमल, भीमा देव, हरि पाल राजाओं ने नौवीं से तेरहवीं शताब्दी तक राज्य किया। बाद में गढ़ मंडला के राजा मदन सिंह अधिपत्य में आ गया। इस गढ़ के शासकों ने गोंडवाना समुदाय के देश काल, रुचि और धार्मिक आस्थाओं के अनुसार निर्माण कार्य विकसित किया।

सबसे अधिक कार्य छठी पीढ़ी के राजा गोपाल देव एवं अंतिम राजा राम चंद्रा ने प्रचलित शैली एवं मान्यताओं को विकसित किया। भोरमदेव देवालय शम्भू महादेव जो गंड समुदाय के पंचखंड धरती के स्वामी और जीववादी जीवन शैली के प्रणेता थे, उनकी याद में भोरमदेव बनाया गया। जिसमें मंडला राजा रानी द्वारा बूढ़ा देव की आराधना करते हुए दिखाया गया है। मंदिर के ऊपरी हिस्से में गज और उस पर सिंह वाला गोंडवाना राज चिन्ह अंकित है। यहां शैव एवं वैष्णव देवी देवता हैं, इसका मतलब उन्होंने सभी धर्मों को राजाश्रय दिया।

जल संग्रहित करने का कृत्रिम झील
दलपत सागर

डॉ. डी पी देशमुख

पानी के अंधाधुन दोहन से जमीनी स्तर पर जल का श्रोत निरंतर नीचे होता जा रहा है। भविष्य में यह जल संकट का स्पष्ट संकेत है, इसके लिए कई तरह के प्रयास किये जा रहे हैं। इसी तरह का प्रयास बरसाती सीजन में अतिरिक्त पानी को संग्रहित करने का प्रयोग जगदलपुर में सैकड़ों वर्ष पूर्व से सबसे बड़े कृत्रिम झील 'दलपत सागर' का निर्माण जल संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायक है। 17 वीं सदी में लगभग 400 वर्ष पूर्व बस्तर के तत्कालीन राजा दलपत राय कांकतीय ने 350 हेक्टेयर जमीन में वर्षा जल के संचयन की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है।

यह कार्य जल संग्रहण के साथ ही प्रकृति संतुलन की दिशा में ऐतिहासिक माना जाता है। वर्तमान समय में इस तरह के कार्यों की सार्थकता बढ़ जाती है। राजा ने बरसाती सीजन के अतिरिक्त जल के संचयन हेतु राजमहल के पास तीन तालाबों का उत्खनन करा कर उसे विशाल झील का स्वरूप दिया जो जगदलपुर शहर के बीचों बीच दलपत सागर के रूप में प्रसिद्ध है। इस विशाल झील में संग्रहित जल का उपयोग शहर के पेयजल, खेतों की सिंचाई, जनसामान्य के दिनचर्या के कार्य एवं मछली पालन जैसे विविध कार्यों के लिए किया जा रहा है। इसके साथ ही पिकनिक स्पॉट के रूप में लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। इस झील की प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाने हेतु यहाँ पर प्रकाश स्तंभ, संगीतमय फव्वारा, झील के बीचों बीच कृत्रिम द्वीप, देवी काली मां मंदिर में जैसे धर्म-कर्म संबंधित कार्य होने से इसका धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व बढ़ गया है। जनआस्था के अनुरूप दलपत सागर के सौंदर्याकरण, रख-रखाव एवं अन्य उपयोगी सुविधाओं को विकसित करने से इसकी प्रसिद्धि पर्यटन के अनुरूप होने से इसका महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है।

पेंडरा जमींदारी का भी अपना अलग महत्व रहा

पेंडरा जमींदारी का क्षेत्रफल 774 वर्ग मील था। इसमें 225 ग्राम थे। यहां के जमींदार अपने नाम के पूर्व लाल लगाते थे। कहा जाता है कि, कल्चुरी आश्रय में दो भाई थे-हिंदू सिंह और छिंदू सिंह। इन्हें एक सड़क के किनारे बोरा भर द्रव्य मिला। उन्होंने इसे कल्चुरी शासक को दे दिया। इस ईमानदारी का इनाम पेंडरा जमींदारी के रूप में दिया गया। इसके उपरांत उनकी 12 पीढ़ियां यहां जमींदार रहीं। आगे चलकर हिन्दू सिंह के वंशज, पेड़रा के उपरांत, केन्दा उपरोड़ा और मातिन की जमींदारिया पाने में भी सफल रहे। मराठों के आगमन के समय यह जमींदारिया हिंदू सिंह के वंशजों के पास थी। 1798 में मराठों की दृष्टि टेढ़ी हुई। इसके पूर्व मराठे, मुंगेली और नवागढ़ पर कुदृष्टि डाल चुके थे। अतः जब मराठा सूबा केशव पंत द्वारा जमींदार पृथ्वी सिंह को रतनपुर आने का बुलावा आया तो वह पहले ही आशंकित हो सचेत हो गया। वह नहीं गया। अतः सूबा केशव पंत ने जमींदारी जब्त कर ली। पृथ्वी तीर्थ यात्रा का निमित्त कर भाग गया। अब पेंडरा जमींदारी एक गोंड जमींदार को दी गई। 1804 में सुहागपुर जमींदार द्वारा पेंडरा पर आक्रमण कर दिया गया। गांव को जला दिया गया। तब भोंसला जमींदार धन सिंह ने डट कर मुकाबला किया और आक्रमणकारियों को वापस भगा दिया। धन सिंह को इस वीरता पुरस्कार के स्वरूप पेंडरा की जमींदारी दी गई। 1818 में जब अंग्रेजसत्ता आई और एग्न्यु छत्तीसगढ़ का सुप्रिटेंडेंट बना तो धन सिंह के वंशज अजीत सिंह को दी गई थी। पेंडरा शब्द पिंडारी से बना।

- **कल्चुरी शासक की 12 पीढ़ियां यहां जमींदार रहीं**

धमतरी की बिलाई माता

- बिल्लियों ने खोजा रहस्यमई माता का मंदिर
- चारों द्वार से भी करेंगे माता का दर्शन तो सिर्फ साइड फेस दिखता है

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में स्थित बिलाई माता मंदिर एक ऐसा स्थान है जहाँ स्थानीय जनश्रुतियाँ और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके पीछे की कहानी और रहस्यमय घटनाएँ इसे और भी आकर्षक बनाती हैं। यहाँ की मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना और विशेष स्थान बिल्लियों से जुड़े है। बिलाई माता का मंदिर छत्तीसगढ़ के पांच प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। माता की प्रतिमा का एक चमत्कार यह भी है कि इनके दर्शन चरों दरवाजे से भी करेंगे तो बिलाई माता का साइड फेस ही दिखेगा। माता का सक्षात और पूर्ण दर्शन नहीं होता। मंदिर आज जिस जगह पर स्थित है वहां पहले काफी घना जंगल हुआ करता था। इस क्षेत्र के राजा जब यहां से गुजर रहे थे तो उन्होंने देखा कि एक पत्थर के पास कई जंगली बिल्लियाँ लगातार बैठी हैं। यह दृश्य उनके लिए असाधारण और रहस्यमय था। राजा ने इस पत्थर को हटाने का प्रयास किया, लेकिन वह किसी तरह भी स्थान से हिल नहीं रहा था। राजा द्वारा पत्थर को हटाने के काफी प्रयत्न करने के बाद अचानक उस स्थान से जल प्रवाह शुरू हो गया और इसी रात राजा के स्वप्न में देवी मां प्रकट हुई और संदेश दिया कि पत्थर उसी स्थान पर रहे और इसकी पूजा की जाए। इसके बाद राजा ने वही देवी की स्थापना करवाई और स्थानीय लोगों द्वारा पूजा, आराधना का सिलसिला शुरू हुआ।

माता की स्वयंभू मूर्ति

माना जाता है कि यहाँ की मूर्ति स्वयंभू है। लोक मान्यता के अनुसार यह मूर्ति धीरे-धीरे जमीन से ऊपर आती रही है, और इसे प्राकृतिक रूप से प्रकट होने वाला माना जाता है। मूर्ति की काली रंगत और आसपास बिल्लियों की उपस्थिति के कारण इसे "बिलाई माता" नाम से जाना गया जो मां विंध्यवासिनी देवी की मूर्ति जैसी थी। यह नाम आज भी भक्तों के बीच बड़े श्रद्धा और सम्मान के साथ बोला जाता है। मूर्ति 500-600 वर्ष प्राचीन मानी जाती है।

मंदिर से जुड़े प्राचीन अनुष्ठान

प्राचीन समय में नवरात्रि के अवसर पर इस मंदिर में बलि प्रथा होती थी, जिसमें 108 बकरों की बलि दी जाती थी। हालांकि अब यह प्रथा समाप्त हो गई है और वर्तमान में भक्त केवल प्रसाद और विशेष पूजन सामग्री अर्पित करते हैं। नवरात्रि के समय यहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होते हैं और माता की आराधना करते हैं। लोक विश्वास है कि यहां की पूजा से मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। आज यह मंदिर न केवल राज्य में बल्कि देश-विदेश से आने वाले भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। यहां प्रतिवर्ष ज्योत प्रज्वलन की रस्में की जाती हैं और श्रद्धालु देवी की अर्चना के लिए बड़ी श्रद्धा के साथ आते हैं।

थनौद: मिट्टी और आस्था से गढ़ा गया मूर्तियों का गांव

दुर्ग। छत्तीसगढ़ का दुर्ग जिला सिर्फ उद्योग और इस्पात नगरी भिलाई के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति और परंपरा के लिए भी मशहूर है। भिलाई से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित थनौद गांव को लोग आज "मूर्तियों का गांव" कहकर जानते हैं। यहां की हर गली में आस्था का रंग दिखाई देता है और घर-घर में मूर्तिकला की परंपरा पीढ़ियों से संजोकर रखी गई है। करीब 10 हजार की आबादी वाले इस गांव में 70 से अधिक घर कुम्हार परिवारों के हैं। इनमें से 60 घर ऐसे हैं, जहां के लोग पीढ़ियों से भगवान की प्रतिमाएं बना रहे हैं। हर साल यहां से 5 हजार से ज्यादा मूर्तियां तैयार होकर निकलती हैं। दुर्गा पूजा और नवरात्रि के समय इनकी सबसे ज्यादा मांग होती है। मूर्तिकार राधेश्याम चक्रधारी बताते हैं – "मूर्ति बनाना सिर्फ कला नहीं है, यह हमारी श्रद्धा है। जैसे मां अपने बच्चे को गर्भ में नौ महीने संजोकर रखती है, वैसे ही हम मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को गढ़ते हैं। उसका ढांचा, रंग और सजावट – हर बात का विशेष ध्यान रखना पड़ता है।"

देशभर में जाती हैं थनौद की मूर्तियां

यहां बनी प्रतिमाओं की ख्याति छत्तीसगढ़ की सीमाओं को पार कर चुकी है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, बिहार और उत्तर प्रदेश तक थनौद की मूर्तियां पहुंचती हैं। कीमत भी इनकी कारीगरी और आकार के अनुसार 50 हजार से लेकर 2 लाख रुपये तक होती है। कई राज्यों में तो इन मूर्तियों को और भी ऊंचे दाम पर खरीदा जाता है, क्योंकि वहां इन्हें "विशेष पहचान" के साथ देखा जाता है।

शारदीय नवरात्र 2025 घट स्थापना मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 22 सितंबर से हो रही है। वहीं, अगले दिन यानी 23 सितंबर को रात 02 बजकर 55 मिनट पर तिथि का समापन होगा। इस दिन नवरात्र के पहले दिन घट स्थापना के लिए 2 मुहूर्त बन रहे हैं, जो इस प्रकार है।

घट स्थापना मुहूर्त : सुबह 06 बजकर 09 मिनट से 08 बजकर 06 मिनट तक

घट स्थापना अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11 बजकर 49 मिनट से दोपहर 12 बजकर 38 मिनट तक

कैसे करें घट स्थापना

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवरात्र में घट स्थापना करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और पूजा का पूर्ण फल मिलता है। कलश स्थापना के लिए चांदी, मिट्टी या तांबे के कलश का चयन करें। सुबह स्नान करने के बाद मंदिर की साफ-सफाई कर लें। घटस्थापना की जगह पर गंगाजल का छिड़काव करें। हल्दी से अष्टदल बनाएं। अब कलश में जल भर लें और गंगाजल डालें। इसके अलावा कलश में सिक्का, फूल और अक्षत डालें। नारियल को लाल चुनरी में लपेटकर कलश के ऊपर रख दें। कलश पर रोली से तिलत करें। अंत में मां दुर्गा के नाम का ध्यान रखें।

दंतेवाड़ा : मां दंतेश्वरी

देश के 52 शक्ति पीठों में से एक दंतेश्वरी मंदिर है। मान्यता है कि यहां देवी का दांत गिरा था। 14वीं शताब्दी में बना यह मंदिर दंतेवाड़ा में स्थित है। मां की मूर्ति काले पत्थर से तराश कर बनाई गई है। मंदिर को चार भागों में विभाजित किया गया है। गर्भगृह और महा मंडप का निर्माण पत्थर के टुकड़ों से किया गया था। मंदिर के प्रवेश द्वार के सामने एक गरुड़ स्तंभ है। मंदिर खुद एक विशाल प्रांगण में स्थित है जो विशाल दीवारों से घिरा हुआ है। शिखर को मूर्तिकला से सजाया गया है। विदेशों के भक्त भी ज्योत जलाने www.maadanteshwari.in वेबसाइट पर ऑनलाइन बुकिंग करवा रहे हैं। इसके अलावा यदि कोई भक्त पूरे 9 दिनों तक माता के दर्शन करना चाहता है, तो 2100 रुपए की रसीद कटवा सकता है। रोज सार्वजनिक कार्यक्रम होंगे।

रायपुर : मां महामाया

1400 साल पहले महामाया मंदिर का निर्माण हैहयवंशी राजाओं ने करवाया था। महामाया मंदिर का गर्भगृह और गुंबद का निर्माण श्रीयंत्र के रूप में हुआ है। मंदिर में मां महालक्ष्मी, मां महामाया और मां समलेश्वरी तीनों की पूजा आराधना एक साथ की जाती है। महामाया मंदिर प्रशासन के मुताबिक इस बार नवरात्रि के एक दिन पहले यानी 21 सितंबर रात 9 बजे तक ज्योत प्रज्वलन का राशि ली जाएगी।

राजनांदगांव : पाताल भैरवी

बरफानी धाम राजनांदगांव शहर में स्थित है। मंदिर के शीर्ष पर एक बड़ा शिवलिंग देखा जा सकता है। उसके सामने एक बड़ी नंदी प्रतिमा है। मंदिर तीन स्तरों में बनाया जाता है। नीचे की परत में पाताल भैरवी का मंदिर है, दूसरे में नवदुर्गा या त्रिपुर सुंदरी और ऊपरी स्तर में भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों की प्रतिमा है।

डोंगरगढ़ : माँ बम्लेश्वरी

डोंगरगढ़ की पहाड़ी पर स्थित मां बम्लेश्वरी देवी का विख्यात मंदिर आस्था का केंद्र है। बड़ी बम्लेश्वरी के समतल पर स्थित मंदिर छोटी बम्लेश्वरी के नाम से प्रसिद्ध है। बम्लेश्वरी शक्ति पीठ का इतिहास करीब 2000 वर्ष पुराना है। इसे वैभवशाली कामाख्या नगरी के रूप में जाना जाता था। मां बम्लेश्वरी को मध्य प्रदेश के उज्जयिनी के प्रतापी राजा विक्रमादित्य की कुलदेवी भी कहा जाता है। इतिहासकारों ने इस क्षेत्र को कल्चुरी काल का पाया है। मंदिर की अधिष्ठात्री देवी मां बगलामुखी हैं। उन्हें मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। उन्हें यहां मां बम्लेश्वरी के रूप में पूजा जाता है।

बिलासपुर : महामाया दाई

जिले के रतनपुर स्थित महामाया मंदिर महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती को समर्पित है। ये 52 शक्ति पीठों में से एक है। देवी महामाया को कोसलेश्वरी के रूप में भी जाना जाता है, जो पुराने दक्षिण कोसल क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी हैं। इस बार करीब एक टोना-पत्तल का ऑर्डर है। जिसमें प्रसाद दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)।